20 नवंबर 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

डुमरांव पश्चिमी रेल फाटक पर ऑटोमेटिक बूम हुआ फेल, घंटों फंसा रहा यातायात

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध

आपकी आवाज

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म एक्ट 2021 को किया रद्द

- केंद्र सरकार न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती

एजेंसी/नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार कानून 2021 के प्रमुख प्रावधानों को रद्द कर दिया है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार के रवैये पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि संसद न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। न्यायालय ने कहा कि ये प्रावधान शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हैं। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को बड़ा झटका देते हुए बुधवार को न्यायाधिकरणों के सदस्यों और पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा शर्तों से संबंधित 2021 न्यायाधिकरण सुधार कानून के प्रमुख प्रावधानों को रद्द कर दिया और कहा कि संसद मामूली बदलावों के साथ इन्हें फिर से लागू करके न्यायिक फैसले को दरकिनार नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत ने अध्यादेश के समान प्रावधानों को कानून के रूप में पेश करने के लिए केंद्र के खिलाफ तीखी टिप्पणी की। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने 137 पृष्ठ के अपने फैसले में कहा, श्हम उन मुद्दों पर इस अदालत के निदेर्शों को बार-बार अस्वीकार करने के भारत सरकार के रवैये से असहमति जताते हैं, जिन्हें पहले ही कई निर्णयों के माध्यम से सुलझा लिया गया है।श पीठ ने कहा, श्यह सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता और कामकाज को लेकर इस न्यायालय की ओर से तय किए गए स्पष्ट सिद्धांतों को लागू करने के बजाय, विधायिका ने ऐसे प्रावधान फिर से पेश किए, जिनकी वजह से अलग-अलग कानूनों और नियमों के जरिए वही संवैधानिक वाद-विवाद फिर शुरू हो गए हैं। पीठ ने कहा कि विवादित प्रावधान शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और उन्हें वापस नहीं लाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि लंबित मामलों से निपटना केवल न्यायपालिका की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी सरकार के अन्य अंगों को भी उठानी होगी। पीठ ने कहा कि संसद ने पहले से ही न्यायालय द्वारा रद्द किए गये प्रावधानों को पुनः लागू करके बाध्यकारी न्यायिक मिसालों की ह्यह्यविधायी रूप से अवहेलनाह्लह्ल का प्रयास किया। प्रधान न्यायाधीश ने फैसले में कहा, श्हमने अध्यादेश और 2021 के अधिनियम के प्रावधानों की तुलना की है और यह दशार्ता है कि पहले ही खारिज किए जा चुके सभी प्रावधानों को मामूली बदलाव के साथ फिर से लागू किया गया है।श

2021 के प्रावधानों को बरकरार नहीं रखा जा सकता

उन्होंने कहा कि इस प्रकार हमारा मानना है कि 2021 अधिनियम के प्रावधानों को बरकरार नहीं रखा जा सकता क्योंकि यह शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। यह किसी भी खामी को दूर किए बिना और बाध्यकारी निर्णय के विपरीत जाकर विधायी अतिक्रमण के समान है।यह संविधान के अनुरूप नहीं है। इसलिए, इसे असंवैधानिक घोषित करके रद्द किया जाता है। शीर्ष अदालत ने न्यायाधिकरण सुधार (युक्तिकरण और सेवा शर्तें) अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 नवंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सरकार 2021 में अधिनियम लाई जिसमें फिल्म प्रमाणन अपीलीय न्यायाधिकरण सहित कुछ अपीलीय न्यायाधिकरणों को समाप्त कर दिया गया और विभिन्न न्यायाधिकरणों के न्यायिक एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति, कार्यकाल से संबंधित विभिन्न शर्तों में संशोधन किया गया।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई पर कसा शिकंजा

एजेंसी/नई दिल्ली

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाईअनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लाए जाने के बाद दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। जहां से अदालत ने उसे 11 दिन की छप। की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए अब उससे कड़ी पूछताछ करेगी। बता दें कि अनमोल बिश्नोई के खिलाफ 18 मामले दर्ज हैं। अनमोल बिश्नोई पर मुंबई के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का आरोप है। इतना ही नहीं पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसे वाला की हत्या में भी शामिल होने का आरोप है। इसके अलावा बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान के घर पर फायरिंग करने का भी आरोप है।लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से भारत लाया गया है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने उसे 11 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया है। एनआईए अब उससे पूछताछ करेगी। अनमोल बिश्नोई पर कई गंभीर आरोप हैं। इनमें बाबा सिद्दीकी की हत्या, सिद्धू मूसेवाला की हत्या और सलमान खान के घर फायरिंग शामिल हैं। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने बाबा सिद्दीकी के परिवार को सूचित किया है कि अनमोल बिश्नोई को अमेरिकी से भारत के लिए रवाना कर दिया गया है। सिद्दीकी के परिवार ने ईमेल का एक स्क्रीनशॉट भी जारी किया। अनमोल बिश्नोई, लॉरेंस बिश्नोई का भाई है और वैश्विक आपराधिक गिरोह का हिस्सा है, जो लॉरेंस के गुजरात के अहमदाबाद स्थित साबरमती सेंट्रल जेल में बंद होने के बावजूद एक्टिव है।

नई सरकार बनाने के लिए नीतीश कुमार ने किया दावा पेश

2005 से 2025 तक नीतीशे कुमार ही बने मुख्यमंत्री

- आज 10वीं बार लेंगे शपथ, पीएम नरेंद्र मोदी भी रहेंगे मौजूद

एजेंसी/पटना

पटना में विधानसभा के सेंट्रल हॉल में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक हुई। इसमें भारतीय जनता पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा, लोक जनशक्ति पार्टी के सभी नव निर्वाचित विधायक और नीतीश कुमार, चिराग पासवान, संतोष सुमन, उपेंद्र कुशवाहा, सम्राट चैधरी, विजय सिन्हा मौजूद रहे। भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता चुने गए सम्राट चैधरी ने बुधवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा। सर्वसम्मति से, फिर से नीतीश कुमार का नारा लगाते हुए एनडीए विधायक दल ने कल के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी कर ली। एनडीए के विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सीएम नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे। वहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को उन्होंने अपना इस्तीफा सौंपा। कुछ देर तक दोनों नेताओं ने बातचीत हुई। इसके बाद नीतीश कुमार राजभवन से निकल गए। कल 10वीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने नीतीश कुमार गांधी मैदान पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में शपथ ग्रहण समारोह होगा। गुरूवार को सुबह साढ़े ग्यारह बजे के आसपास शपथ ग्रहण समारोह शुरू होगा।

मुख्यमंत्री ही तय करेंगे कैबिनेट भी

वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सरकार गठन की प्रक्रिया पर जानकारी देते हुए कहा कि कैबिनेट का गठन मुख्यमंत्री तय करेंगे। हम पहले राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। इसके बाद ही बाकी बातें स्पष्ट होंगी। जदयू के बिहार प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बैठक के बाद कहा कि शपथ ग्रहण समारोह कल होगा। एनडीए नेता का चयन हो चुका है। सभी एनडीए सहयोगियों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना है। वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता व सीवान सदर के विधायक मंगल पांडेय ने नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व व मार्गदर्शन में प्रदेश का समावेशी विकास हुआ है। उनके नेतृत्व में विकास व सुशासन का राज स्थापित हुआ है।

सम्राट चुने गए विधायक दल के नेता

जनता दल यूनाईटेड के नवनिर्वाचित विधायकों ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को फिर से अपना नेता चुन लिया है। बुधवार सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री आवास में जदयू के विधायक दल की बैठक हुई। साढ़े 11 बजे जदयू के विधायकों ने सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुन लिया है। जदयू के वरिष्ठ नेता और विधायक श्याम रजक ने कहा कि बिहार की जनता उत्साहित है, उन्होंने नीतीश कुमार अपना नेता चुना है। मुख्यमंत्री पद के लिए पार्टी की पहली और अंतिम पसंद नीतीश कुमार ही हैं। नई सरकार में मंत्री बनाए जाने के सवाल पर रजक ने कहा कि इसका फैसला नीतीश कुमार करेंगे। विधायक दल की बैठक से पहले जदयू विधायक मनोरमा देवी ने कहा कि यह बिहार के लिए बहुत अच्छा दिन है। हमारे अभिभावक नीतीश कुमार हैं और वह सभी के कल्याण के लिए काम करेंगे। इधर, भाजपा के विधायकों की बैठक पार्टी कार्यालय में हो रही है। भाजपा के विधायकों ने सम्राट चैधरी के विधायक दल का नेता चुन लिया है। यानी वह डिप्टी सीएम बनेंगे। वहीं विजय सिन्हा को उप नेता चुना गया है। इस प्रस्ताव का समर्थन करने वालों में प्रेम कुमार, राम कृपाल यादव, कृष्ण कुमार ऋषि, संगीता कुमारी, अरुण शंकर प्रसाद, मिथिलेश तिवारी, नितिन नवीन, वीरेन्द्र कुमार, रमा निषाद, मनोज शर्मा और कृष्ण कुमार मंटू शामिल थे। बताया जा रहा है कि विजय सिन्हा दूसरे डिप्टी सीएम बनेंगे। भाजपा दोनों डिप्टी सीएम का पद अपने पास रखने जा रही है। लेकिन, 19 सीट लाने वाली चिराग पासवान की पार्टी एक डिप्टी सीएम समेत तीन मंत्री का पद चाहती है। इस मुद्दे पर भी बातचीत चल रही है।

पुरानी धारणाओं को छोड़ आरएसएस की वास्तविकता जानें : भागवत

एजेंसी/गुवाहाटी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने असम और पूर्वोत्तर के युवाओं से अपील की है कि वे संगठन के बारे में अपनी राय पहले से बनी धारणाओं या भ्रामक प्रचार के आधार पर न बनाएं। उन्होंने कहा कि आरएसएस को लेकर फैली चचार्एं तभी सार्थक होंगी जब वे तथ्य और वास्तविक जानकारी पर आधारित हों। भागवत तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन गुवाहाटी में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। यूथ लीडरशिप कॉन्क्लेव में भागवत ने आरएसएस के सिद्धांतों, आदर्शों और संगठनात्मक कार्यप्रणाली को विस्तार से समझाया। उन्होंने दावा किया कि अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म और डिजिटल स्पेस पर आरएसएस को लेकर 50 प्रतिशत से अधिक जानकारियां गलत या अधूरी हैं। उनके अनुसार, संगठन के खिलाफ कई माध्यमों में सुनियोजित दुष्प्रचार चलाया जा रहा है, जबकि तथ्य इसके बिल्कुल विपरीत हैं। भागवत ने कहा कि आरएसएस का मूल उद्देश्य भारत को ह्यविश्वगुरुह्ल बनाना है, जैसा कि संस्थापक डॉ. हेडगेवार का विजन था।

पाकिस्तानी नेता ने खुद कबूला कहा... हमने कराया लाल किला पर हमला

नई दिल्ली/गुवाहाटी

पाकिस्तान के नेता और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के पूर्व प्रधानमंत्री चैधरी अनवारुल हक ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसने इस्लामाबाद की आतंकवाद नीति की पोल खोलकर रख दी है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में हक खुलकर स्वीकार करता दिख रहा है कि पाकिस्तान में पनपाए गए आर्तकियों ने लाल किले से लेकर कश्मीर के जंगलों तक भारत में कई हमलों को अंजाम दिया। वीडियो में चैधरी अनवारुल हक कहते हैं कि मैंने पहले ही कहा था कि अगर आप बलूचिस्तान को खून से लथपथ रखते रहेंगे, तो हम लाल किले से लेकर कश्मीर के जंगलों तक भारत पर हमला करेंगे। अल्लाह की मेहरबानी से हमने यह कर दिखाया और वे अब भी शव गिन नहीं पा रहे हैं।

क्रायोजेनिक इंजन के बूट-स्ट्रैप मोड स्टार्ट का हुआ सफल परीक्षण

इसरो को मिली बड़ी कामयाबी, भविष्य के मिशनों में मिलेगी मदद

एजेंसी/नई दिल्ली

इसरो ने बुधवार को एलान किया कि उसने सीई 20 क्रायोजेनिक इंजन के बूट-स्ट्रैप मोड स्टार्ट परीक्षण का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है, जो लॉन्च व्हीकल मार्क-3 रॉकेट के ऊपरी चरण को ताकत देता है। इसरो ने बताया कि यह परीक्षण 7 नवंबर को महेंद्रगिरि स्थित इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स स्थित हाई-एल्टीट्यूड परीक्षण सुविधा में वैक्यूम की परिस्थितियों में 10 सेकंड के लिए किया गया था। इसरो के मुताबिक सीई

20 क्रायोजेनिक इंजन उड़ान में एक बार स्टार्ट करने पर 19 से 22 टन के थ्रस्ट स्तर पर संचालन के लिए पहले से ही योग्य है और इसे गगनयान मिशनों में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में, इंजन का प्रज्वलन टैंक हेड प्रेशर में शुरू होता है, जिसके बाद एक संग्रहित गैस स्टार्ट-अप सिस्टम का उपयोग करके टबोर्पंप स्टार्ट अप होता है। इसरो ने बताया कि भविष्य के मिशनों के लिए, बहु-कक्षा मिशनों की दिशा में लचीलेपन के लिए सीई 20 इंजन को उड़ान के दौरान कई बार फिर से शुरू करने की जरूरत होगी। एजेंसी ने कहा कि वर्तमान कॉन्फिगरेशन के साथ, हर बार फिर से शुरूआत के लिए एक अतिरिक्त स्टार्ट-अप गैस बॉटल और संबंधित प्रणालियों की जरूरत होती है, जिससे वाहन की पेलोड क्षमता में कमी आती है। उन्होंने बताया कि इसलिए बूट-स्ट्रैप मोड स्टार्ट प्राप्त करना जरूरी है, जहां इंजन बाहरी स्टार्ट-अप मदद के बिना स्थिर संचालन के लिए तैयार होता है। परीक्षण के दौरान, बूट-स्ट्रैप स्टार्टिंग को सुगम बनाने के लिए थ्रस्ट चैंबर और गैस जनरेटर दोनों में एक बहु-तत्व इग्नाइटर का उपयोग किया गया था।

इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर कांग्रेसजनों ने याद किए उनके साहसिक फैसले

- बक्सर जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा, कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर दोहराया, राष्ट्रहित सर्वोपरि

केटी न्यूज/बक्सर

भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती बुधवार को बक्सर जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत इंदिरा जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। जिलाध्यक्ष सहित वरिष्ठ कांग्रेसजनों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। जयंती समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. पांडेय ने कहा कि इंदिरा गांधी न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया की एक सशक्त और प्रभावशाली नेत्री थीं। उनके नेतृत्व में देश ने साहस, पराक्रम और मजबूत इच्छाशक्ति का परिचय दिया। तीन बार प्रधानमंत्री बनने के बाद चौथी बार भी देश के लिए प्राणों का बलिदान दिया, यह उनके राष्ट्र सेवा के संकल्प को दशार्ता है। उन्होंने आगे कहा कि 1971 के पाकिस्तान युद्ध में इंदिरा गांधी के निर्णायक नेतृत्व ने इतिहास बदल दिया। युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ और पाकिस्तान दो भागों में विभाजित हो गया। डॉ. पांडेय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी उनके पराक्रम की सराहना करते हुए उन्हें ह्यदुर्गाह्न कहकर संबोधित किया था। प्रदेश प्रतिनिधि डॉ. प्रमोद ओझा ने इंदिरा गांधी की वैज्ञानिक दृष्टि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1974 में पोखरण में भारत के प्रथम परमाणु परीक्षण का नेतृत्व भी इंदिरा गांधी ने ही किया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव और कुछ देशों की नाराजगी के बावजूद उन्होंने राष्ट्रहित से कभी समझौता नहीं किया। कार्यक्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता कामेश्वर पांडेय, महिमा शंकर उपाध्याय, त्रियोगी मिश्र, रूनी देवी, कुमकुम देवी, संजय दुबे उर्फ पप्पू दुबे, रामप्रसाद द्विवेदी, निर्मला देवी, मोहन प्रसाद वर्मा, बब्बन तुरहा, लाल साहब सिंह, सुदर्शन सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। सभी ने इंदिरा गांधी के अधूरे सपनों को पूरा करने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

अगलगी में आशियाना खाक, विधायक मौके पर पहुंचे

केटी न्यूज/चक्की

जवही महाजी डेरा में मंगलवार देर रात अचानक लगी आग ने एक परिवार की जिंदगी को पलभर में अस्त-व्यस्त कर दिया। रात के सन्नाटे में भड़की आग ने राम यादव के घर को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने टिन की चादरों और पानी की बाल्टियों से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन तेज लपटों के आगे उनकी मेहनत नाकाम साबित हुई। देखते ही देखते घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया और परिवार बेघर हो गया।

घटना की सूचना सुबह में स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंची। इसी क्रम में ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शंभूनाथ यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने जले हुए घर का बारीकी से निरीक्षण किया और राम यादव के परिवार से मिलकर नुकसान की जानकारी ली। विधायक के साथ हरेन्द्र यादव, मुखिया ओमप्रकाश यादव, सतेन्द्र यादव, रितेश यादव समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे। विधायक यादव ने पीड़ित परिवार को दिलासा देते हुए हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन से आपदा राहत मद से तत्काल मदद देने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि घटना इतनी तेजी से हुई कि परिवार को घर से कुछ भी बाहर निकालने का मौका नहीं मिला। घर जलने के बाद परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पीड़ित परिवार बेहद गरीबी में जीवनयापन कर रहा है, ऐसे में सरकारी मदद ही उनके पुनर्वास का एकमात्र सहारा है। प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री, मुआवजा और आवास निर्माण में सहायता देने की अपील की है। इस घटना ने गांव में चिंता का माहौल पैदा कर दिया है। लोगों ने प्रशासन से आग लगने की ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए जागरूकता और आपदा प्रबंधन को मजबूत करने की मांग भी उठाई है।

डुमरांव पश्चिमी रेल फाटक पर ऑटोमेटिक बूम हुआ फेल, घंटों फंसा रहा यातायात

- तकनीकी खराबी से बना जाम, रेलवे टीम की तत्परता से एक घंटे बाद बहाल हुआ संचालन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में बुधवार की सुबह अचानक पैदा हुई तकनीकी गड़बड़ी ने पूरे शहर के यातायात को प्रभावित कर दिया। पश्चिमी रेल फाटक संख्या 67 ए पर ऑटोमेटिक बूम अचानक खराब हो गया, जिसके बाद फाटक पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुबह 9 बजे के व्यस्त समय में हुई इस समस्या ने कुछ ही देर में फाटक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगा दीं। लोग अपने महत्वपूर्ण कार्यों के लिए घरों से निकले थे, लेकिन अनियोजित जाम ने सभी की रफ्तार रोक दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फाटक बंद होने की प्रक्रिया के दौरान अचानक ऑटोमेटिक बूम बीच में ही क्षतिग्रस्त हो गया। क्षति होते ही रेल कर्मचारियों ने स्थिति को समझते हुए तत्काल अस्थायी व्यवस्था लागू की। उन्होंने स्लाइडिंग बूम का उपयोग शुरू कर दिया, जो सामान्य बूम के मुकाबले कम क्षमता वाला होता है। स्लाइडिंग बूम के जरिए एक बार में केवल तीन से चार वाहनों को ही पार कराया जा रहा था, जिसके चलते फाटक को बार-बार खोलना और बंद करना पड़ रहा था। इस स्थिति ने जाम को और बढ़ा दिया।

लगभग एक घंटे तक फाटक पर भारी जाम लगा रहा। पुराने भोजपुर से डुमरांव की ओर आने वाले तथा डुमरांव से भोजपुर की दिशा में वापस लौटने वाले वाहनों की लंबी लाइनें डुमरांव-बक्सर मार्ग पर कई सौ मीटर तक फैल गईं। कई लोगों ने बताया कि वैकल्पिक मार्ग नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरी में उसी रास्ते पर इंतजार करना पड़ा। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि व्यस्त समय में रेलवे फाटक पर ऐसी तकनीकी खराबी से पूरा क्षेत्र प्रभावित हो जाता है, और सुबह के समय तो यह परेशानी दोगुनी हो जाती है।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के तकनीशियनों की एक टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने क्षतिग्रस्त बूम को जांचने के बाद मरम्मत कार्य शुरू किया। टीम के सदस्यों ने तेजी से काम करते हुए करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद ऑटोमेटिक बूम को पूरी तरह दुरुस्त कर दिया। मरम्मत के बाद फाटक सामान्य रूप से संचालित होने लगा और रेल व सड़क दोनों मार्गों पर यातायात सुचारू हो गया।

आरपीएफ पोस्ट प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि बूम बंद होने की प्रक्रिया में ही तकनीकी गड़बड़ी के कारण वह क्षतिग्रस्त हो गया था। उन्होंने यह भी कहा कि समय से मिली सूचना और तकनीशियनों की तत्परता की वजह से बड़ा हादसा टल गया। प्रभारी ने बताया कि मरम्मत होने के बाद अब यातायात और रेल परिचालन पूरी तरह सामान्य है।

स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि व्यस्त समय में ऐसे फाटकों की नियमित मॉनिटरिंग और मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी परेशानियों से बचा जा सके। नागरिकों का कहना है कि यह फाटक डुमरांव के लिए एक प्रमुख मार्ग है, जहां थोड़ी सी भी समस्या पूरे यातायात तंत्र को प्रभावित कर देती है। बुधवार की इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि तकनीकी उपकरणों की समय पर देखभाल कितनी जरूरी है।

तकनीकी खराबी के कारण हुए अस्थायी अव्यवस्था के बावजूद रेलवे टीम की तत्परता से स्थिति नियंत्रण में आई और लगभग घंटे भर बाद पूरे क्षेत्र में यातायात फिर से सामान्य रफ्तार पकड़ सका।

ब्रह्मपुर सीएचसी में अव्यवस्था की पोल खुली मरीज को घंटों बिना उपचार भटकना पड़ा

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर चल रही खानापूर्ति एक बार फिर सामने आ गई, जब मंगलवार को नैनीजोर ग्राम की यशोदा देवी को गंभीर अवस्था में लाने के बावजूद अस्पताल उनकी जीवनरक्षक जरूरतें भी पूरी नहीं कर सका। यह घटना केवल एक मरीज की परेशानी नहीं, बल्कि व्यवस्था की उस जड़ता का चित्रण है, जिसने ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्वास्थ्य तंत्र पर भरोसा डगमगा दिया है। जानकारी के अनुसार, यशोदा देवी को सांस लेने में तेज दिक्कत होने पर परिजन उन्हें शाम 4 बजे अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन अस्पताल में बिजली बाधित रहने, जनरेटर के खराब होने और ऑक्सीजन सिलेंडरों के खाली पड़े रहने जैसी बुनियादी कमी के चलते उनका उपचार शुरू ही नहीं हो पाया। लगभग एक घंटे तक मरीज स्ट्रेचर पर इंतजार करती रहीं, जबकि परिजन डॉक्टरों से मदद की गुहार लगाते रहे। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने स्पष्ट कहा कि उपलब्ध संसाधन शून्य हैं, इसलिए वे तत्काल उपचार शुरू करने में असमर्थ हैं। स्थिति बिगड़ते देख मरीज को रेफर करने का निर्णय लिया गया, लेकिन दुर्भाग्य यहीं खत्म नहीं हुआ–रेफरल के बाद भी एंबुलेंस करीब एक घंटे देर से पहुंची। इस दौरान परिजन और अन्य मरीज अस्पताल परिसर में जमकर आक्रोश जताते रहे और स्वास्थ्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए। घटना की जानकारी बुधवार सुबह सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद चक्रवर्ती तक पहुंची। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही एक जांच टीम गठित कर दी गई है, जो अव्यवस्था और जिम्मेदार कर्मचारियों की भूमिका की जांच करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी।

डुमरांव में घुम नगर परिषद का बोर्ड मिटा रही महिला, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में एक अजीब घटना देखने को मिल रही है। एक महिला अपने बच्चों के साथ घूम नगर परिषद के बोर्ड को मिटा रही है।

हलका महिला कौन है तथा किस कारण से नगर परिषद के विकास कार्यों के बोर्ड को मिटा रही है इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

इसकी जानकारी मिलते ही नगर परिषद प्रशासन ने स्थानीय पुलिस को इसकी जानकारी दी, जानकारी मिलते ही पुलिस महिला की तलाश में जुट गई है।

बताया जा रहा है कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है।

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नगर परिषद में जाकर मामले की छानबीन की गई है। प्रथम दृष्टया महिला मानसिक विक्षिप्त लग रही है।

वैसे महिला का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें वह अपने बच्चों के साथ घूमते नजर आ रही है। लोगों ने उक्त वीडियो को ड

डुमरांव थाने के साइबर सेनानी ग्रुप में भी शेयर किया है। बहरहाल महिला द्वारा नगर परिषद का बोर्ड मिटाने को लेकर शहर में कई तरह की चचाएं हो रही है।

ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का जिला पदाधिकारी व एसपी ने किया संयुक्त निरीक्षण

- सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी व अग्निशमन यंत्रों की कार्यक्षमता की की गई गहन जांच

केटी न्यूज/बक्सर

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार बुधवार को प्रखंड परिसर, बक्सर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। दोनों वरीय अधिकारियों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप सुरक्षा व्यवस्था का विस्तृत जायजा लिया और वेयरहाउस में मौजूद सभी महत्वपूर्ण उपकरणों की कार्यक्षमता की जांच की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वेयरहाउस की मुख्य सुरक्षा दीवार, प्रवेश-निकास बिंदु, निगरानी व्यवस्था तथा सुरक्षा बल की तैनाती का गहन अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, ऐसे में वेयरहाउस की सुरक्षा-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी और एसपी ने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग, स्टोरेज क्षमता एवं लाइव फीड की जांच की। सभी कैमरों के सुचारू रूप से कार्यरत पाए जाने पर अधिकारियों ने संतोष जताया, साथ ही यह भी निर्देश दिया कि कैमरों की नियमित मेंटेनेंस रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराई जाए। इसके अतिरिक्त, अग्निशमन यंत्रों की भी जांच की गई। अधिकारियों ने फायर सेफ्टी उपकरणों की समय-समय पर जांच सुनिश्चित करने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें बदलने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया। वेयरहाउस की साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था तथा वैकल्पिक पावर बैकअप की स्थिति भी निरीक्षण का प्रमुख बिंदु रहा। जिला पदाधिकारी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया कि परिसर में स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था एवं तकनीकी उपकरणों की नियमित देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने यह भी कहा कि वेयरहाउस में रखी ईवीएम और वीवीपैट मशीनें अत्यंत संवेदनशील होती हैं, इसलिए उनके संरक्षण में सभी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान भूमि सुधार उप समाहर्ता बक्सर, उप निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी बक्सर तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों की मौजूदगी में सम्पूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। अधिकारियों ने सुनिश्चित किया कि आगामी चुनावी गतिविधियों को देखते हुए वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था को हर स्तर पर मजबूत रखा जाए, ताकि ईवीएम-वीवीपैट से संबंधित सामग्री पूर्णतः सुरक्षित रहे और भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

सोवां के बाद अरियांव में एक ही रात तीन घरों में चोरी, ग्रामीणों में बढ़ा दहशत

- कृष्णाब्रह्म में बेखौफ चोरों का आतंक, पुलिस पर बढ़ा दबाव

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब एक ही रात में कई-कई घरों को निशाना बनाया जा रहा है। सोवा गांव में हुए तीन घरों की बड़ी चोरी की घटना की स्याही अभी सूखी भी नहीं थी कि मंगलवार की देर रात अरियांव गांव में चोरों ने तीन और घरों में धावा बोलकर इलाके में दहशत का माहौल खड़ा कर दिया। चोरी की इन ताबड़तोड़ वारदातों ने स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ग्रामीणों के अनुसार रात करीब एक से तीन बजे के बीच चोरों ने सुनसान माहौल का फायदा उठाकर घरों के दरवाजों की कुंडी तोड़ी और नकदी-जेवर समेत कीमती सामान पार कर दिया। पीड़ित गृहस्वामियों ने बुधवार की सुबह चोरी का लिखित आवेदन थाना में जमा कराया। लोगों का कहना है कि घटनाएं जिस तरीके से हो रही हैं, उससे साफ है कि यह कोई सामान्य चोरियों का मामला नहीं बल्कि एक संगठित गिरोह इलाके पर पूरी तरह सक्रिय है।

लगातार हो रही घटनाओं ने ग्रामीणों की नींद हराम कर दी है। स्थिति ऐसी है कि लोग रात में जाग-जागकर घरों की रखवाली करने को मजबूर हैं। कई परिवारों का कहना है कि पुलिस की गश्ती रात में लगभग न के बराबर दिखती है, जिसके चलते अपराधियों के हौसले और बढ़ रहे हैं। ग्रामीणों में यह डर भी घर कर गया है कि अगला निशाना कौन होगा, यह कहना मुश्किल है।

पुलिस प्रशासन पर सवालों का दबाव बढ़ने के बीच कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने दावा किया है कि चोरी की घटनाओं में शामिल गिरोह की पहचान लगभग कर ली गई है और पुलिस उसके बेहद करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि अपराध की इस चेन को हर हाल में तोड़ा जाएगा और शामिल सभी अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

हालांकि ग्रामीण पुलिस की बातों से संतुष्ट नहीं दिख रहे। उनका कहना है कि जब तक चोरी की वारदातें थम नहीं जातीं और अपराधी पकड़ में नहीं आते, तब तक आश्वासन से पेट नहीं भरने वाला। लगातार दो गांवों में छह बड़ी चोरियों ने इस बात को साबित कर दिया है कि अपराधी पुलिस तंत्र को खुली चुनौती दे रहे हैं।

इलाके में बढ़ती चोरी की घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब पुलिस को न केवल गश्ती तेज करनी होगी बल्कि संगठित गिरोह का नेटवर्क तोड़ने के लिए ठोस कार्रवाई भी करनी होगी। वरना स्थानीय लोगों का भरोसा डगमगाना तय है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
विशाल और सुसज्जित हॉल
आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
बड़ा पार्किंग एरिया
24x7 बिजली और पानी की सुविधा
साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

जन्मदिन पर दलित बस्ती में शिक्षा का दीप जलाकर जलपुत्र अजय बने प्रेरणा स्रोत

- बच्चों को शैक्षणिक सामग्रियों का किया वितरण, अभिभावकों को जागरूक किया, शिक्षा से वंचित बच्चों के नामांकन की जिम्मेदारी भी ली

केटी न्यूज/डुमरांव

अपने जन्मदिन को साधारण उत्सव की बजाय सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में मनाते हुए नगर के स्वच्छता अभियान के ब्रांड तथा जलपुत्र के नाम से चर्चित अजय राय ने बुधवार को डुमरांव नगर के सफखाना रोड स्थित दलित बस्ती में शिक्षा का संदेश फैलाने की अनूठी पहल की। पढ़ेगा इंडिया तभी तो बढ़ेगा इंडिया जैसे संदेशात्मक स्लोगन के साथ उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान की भावना को नए रंग में पेश किया। उन्होंने बस्ती के बच्चे-बच्चियों के बीच पठन-पाठन की सामग्री वितरित की और शिक्षा से वंचित बच्चों को चिन्हित कर उनके भविष्य संवारने की जिम्मेदारी भी अपने ऊपर ली। अजय ने मौके पर मौजूद अभिभावकों से सीधे संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि समाज को आगे बढ़ाना है, तो हर बच्चे का विद्यालय जाना सबसे पहला कदम है। उन्होंने वादा किया कि जो बच्चे अब तक स्कूल नहीं जा सके हैं, उनके नामांकन की पूरी प्रक्रिया में वे स्वयं सहयोग करेंगे।

अजय ने अभिभावकों को यह भी प्रेरित किया कि वे प्रतिदिन बच्चों को विद्यालय भेजने की आदत विकसित करें ताकि बच्चे शिक्षा से लगातार जुड़े रहें और उनका भविष्य संवर सके। अजय की इस पहल ने पूरे नगर में सकारात्मक चर्चा पैदा कर दी है। आम लोगों से लेकर जिले के कई वरीय अधिकारी भी उनके इस कार्य की खुलकर सराहना कर रहे हैं। लोगों ने बताया कि अजय की सोच और समर्पण आज की युवा पीढ़ी के लिए मिसाल है। समाज में जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी जिस तरह उन्होंने अपने जन्मदिन पर निभाई, वह निश्चय ही अनुकरणीय है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले भी अजय ने स्वच्छता अभियान और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान दिया है, लेकिन शिक्षा को लेकर उनका यह प्रयास विशेष रूप से प्रभावशाली माना जा रहा है। कई अभिभावकों ने स्वीकार किया कि इस तरह की पहल से उनमें भी अपने बच्चों के भविष्य को लेकर जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है।

जब इस प्रयास को लेकर अजय राय से पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सबसे मजबूत हथियार है। समाज के अंतिम पायदान पर बैठे लोगों तक जब शिक्षा पहुंचेगी, तभी उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन आएगा। मैं चाहता हूं कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

उनके इस संकल्प ने यह दिखा दिया कि जन्मदिन सिर्फ उत्सव नहीं, बल्कि समाज के हित में कुछ सार्थक करने का अवसर भी बन सकता है। अजय की यह पहल न केवल बस्ती के बच्चों के जीवन में नई उम्मीद जगी है, बल्कि पूरे नगर के लिए एक प्रेरणा भी बन गई है।

एक नजर

शराब की खेप के साथ कारोबारी गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के नंदन गांव में छापेमारी कर एक शराब कारोबारी को 1.5 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान स्थानीय गांव निवासी गुप्तेश्वर यादव पिता रामदास यादव के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि उक्त कारोबारी अपने अड्डे से शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद एक टीम गठित कर छापेमारी करवाई गई। इस दौरान वह रंगेहाथ पकड़ा गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

ब्रह्मपुर सीएचसी में अव्यवस्था की पोल खुली, मरीज को घंटों बिना उपचार भटकना पड़ा

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर चल रही खानापूर्ति एक बार फिर सामने आ गई, जब मंगलवार को नैनीजोर ग्राम की यशोदा देवी को गंभीर अवस्था में लाने के बावजूद अस्पताल उनकी जीवनरक्षक जरूरतें भी पूरी नहीं कर सका। यह घटना केवल एक मरीज की परेशानी नहीं, बल्कि व्यवस्था की उस जड़ता का चित्रण है, जिसने ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्वास्थ्य तंत्र पर भरोसा डगमगा दिया है। जानकारी के अनुसार, यशोदा देवी को सांस लेने में तेज दिक्कत होने पर परिजन उन्हें शाम 4 बजे अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन अस्पताल में बिजली बाधित रहने, जनरेटर के खराब होने और ऑक्सीजन सिलेंडरों के खाली पड़े रहने जैसी बुनियादी कमी के चलते उनका उपचार शुरू ही नहीं हो पाया। लगभग एक घंटे तक मरीज स्ट्रेचर पर इंतजार करती रहीं, जबकि परिजन डॉक्टरों से मदद की गुहार लगाते रहे। ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने स्पष्ट कहा कि उपलब्ध संसाधन शून्य हैं, इसलिए वे तत्काल उपचार शुरू करने में असमर्थ हैं। स्थिति बिगड़ते देख मरीज को रेफर करने का निर्णय लिया गया, लेकिन दुर्भाग्य यहीं खत्म नहीं हुआ–रेफरल के बाद भी एंबुलेंस करीब एक घंटे देर से पहुंची। इस दौरान परिजन और अन्य मरीज अस्पताल परिसर में जमकर आक्रोश जताते रहे और स्वास्थ्य प्रणाली पर सवाल खड़े किए। घटना की जानकारी बुधवार सुबह सिविल सर्जन डॉ. शिव प्रसाद चक्रवर्ती तक पहुंची। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन से स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही एक जांच टीम गठित कर दी गई है, जो अव्यवस्था और जिम्मेदार कर्मचारियों की भूमिका की जांच करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। यह घटना ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की असलियत एक बार फिर उजागर करती है, जहां सुविधाओं की कमी कभी-कभी मरीजों की जिंदगी तक दांव पर लगा देती है।

फरार आरोपियों की तलाश तेज, तीन पहले ही जा चुके हैं जेल, 17 के खिलाफ दर्ज कराया गया था नामजद

सोवां में वोट नहीं देने पर दबंगो के हमले में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत, बढ़ा तनाव

- दो दिन पहले ही फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए आरटीआई कार्यकर्ता ने अपर मुख्य गृह सचिव को लिखा था पत्र

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

सोवा गांव में चुनावी रंजिश में हुए हमले में गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र पासवान की बुधवार को पटना में इलाज के दौरान मौत हो गई। ग्रामीणों के बीच शव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया, वहीं पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना ने इलाके की राजनीतिक और सामाजिक तापमान को अचानक बढ़ा दिया है।

जानकारी के अनुसार, 8 नवंबर की शाम विवाद की शुरूआत तब हुई थी जब कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि सुरेंद्र पासवान के परिवार ने ह्वतीन ताराह्व चुनाव चिन्ह पर वोट नहीं दिया। इसी बात पर आक्रोशित लोगों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की और देखते ही देखते स्थिति मारपीट में बदल गई। दर्ज एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने एकजुट होकर लाठी-डंडों से हमला किया, जिसमें सुरेंद्र पासवान गंभीर रूप से घायल हुए थे।

गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना रेफर किया गया था, जहां करीब एक सप्ताह तक इलाज चला। बुधवार को उनकी मौत की खबर मिलते ही गांव में तनाव और आक्रोश का माहौल बन गया।

-- 17 नामजद, तीन गिरफ्तार, बाकियों की तलाश में दबिश

घटना के बाद मृतक की पुत्रवधु ने सत्येंद्र महतो, राजन कुमार, मिथिलेश कुमार सहित कुल 17 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब मौत के बाद मामला और गंभीर हो गया है।

कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को किसी भी हाल में बिगड़ने नहीं दिया जाएगा।

-- मौत के बाद मामले की धारा बढ़ने की संभावना

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना महज विवाद नहीं, बल्कि योजनाबद्ध हमला था। सुरेंद्र पासवान की मौत के बाद एफआईआर में लगी धाराएं बढ़ने की उम्मीद है। वहीं पुलिस पूरे मामले को संवेदनशील मानते हुए गांव में अतिरिक्त सतर्कता बरत रही है।

बागीचे में मिला अज्ञात वृद्ध का शव, नहीं हो सकी पहचान

- सिमरी थाना क्षेत्र के मझवारी गांव के बागीचे की है घटना, मृतक के मुंह से निकला था झाग, जहरीला पदार्थ खाने या विषैले जंतुओं के काटने से जताई जा रही है मौत की

सिमरी। सिमरी थाना क्षेत्र के मझवारी पासी टोला के समीप एक बागीचे से एक वृद्ध का शव मिला है। ग्रामीणों से इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची सिमरी पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजी। समाचार लिखे जाने तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई थी। मृतक की उम्र करीब 60-65 वर्ष के आस पास है तथा वह सफेद व ब्लू रंग का चेकदार शर्ट पहना है। बताया जाता है कि उसके मुंह से झांग निकला था। जिससे किसी जहरीला पदार्थ के खाने या विषैले जंतुओं के काटने से मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में फिलहाल कुछ स्पष्ट नहीं किया है कि उसकी मौत कैसे हुई है। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही उसके पहचान के प्रयास में जुट गई है। इसके लिए पुलिस उसकी तस्वीर को विभिन्न थानों के साइबर सेनानी ग्रुपो तथा सोशल मीडिया पर डाल पहचान की अपील की है। सिमरी थाने के एसआई ब्रिजेश कुमार ने बताया कि शव की पहचान होने तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है। वहीं, बागीचे में शव मिलने के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया है। वहीं, इस घटना के बाद ग्रामीणों में कई तरह की चचाएं हो रही है।

टिकट विवाद ने बिगाड़ा खेल, डुमरांव में क्यों हारे अजीत कुशवाहा

पीके बादल/केसठ

विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आने के बाद अब राजनीतिक विश्लेषणों का दौर जारी है। डुमरांव सीट पर महागठबंधन के समर्पित और लोकप्रिय प्रत्याशी माने जाने वाले डॉ. अजीत कुशवाहा की हार से कई तरह की चचाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक गलियारों से लेकर स्थानीय कार्यकताओं तक, हर जगह यह सवाल तैर रहा है कि क्या राजद के अंदरूनी मतभेद और टिकट बंटवारे में हुई आपसी होड़ ने ही महागठबंधन की इस सीट को कमजोर कर दिया। जानकार बताते हैं कि चुनाव से पहले राजद के स्थानीय स्तर पर गंभीर खींचतान देखने को मिली। कई दावेदार अपनी अपनी दावेदारी को लेकर सक्रिय थे, जिससे पार्टी के भीतर असंतोष का माहौल बना रहा। टिकट फाइनल होने के बाद भी बिखराव पूरी तरह नहीं सिमटा। कार्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा मैदान में तो उतरा, लेकिन वह जरूरी जोश और एकजुटता नहीं दिखी, जो किसी भी चुनावी मुकाबले में जीत के लिए अनिवार्य मानी जाती है। कई क्षेत्रीय विश्लेषकों का मानना है कि राजद परिवार में जारी मतभेदों ने भी माहौल को प्रभावित किया। शीर्ष नेतृत्व से नीचे तक संदेशों के अभाव, संगठनात्मक स्तर पर तालमेल की कमी और अंतर्कलह ने महागठबंधन की रणनीति को कमजोर किया। परिणाम यह हुआ कि विरोधी पक्ष ने इस स्थिति का पूरा लाभ उठाया और बूथ स्तर पर आक्रामक रणनीति अपनाई। डॉ. अजीत कुशवाहा की व्यक्तिगत लोकप्रियता, जनसंपर्क और सादगी के बावजूद पार्टी का कमजोर मैनेजमेंट और कार्यकताओं के बीच तालमेल की कमी भारी पड़ती दिखी। कई बूथों पर महागठबंधन का वोट अपेक्षा से कम रहा, जिससे यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि यदि संगठन मजबूत होता, टीमवर्क बेहतर होता और टिकट को लेकर विवाद न पनपता, तो परिणाम कुछ और हो सकता था।चुनावी नतीजों के बाद अब यह चर्चा भी है कि महागठबंधन को भविष्य के लिए अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना होगा। टिकट वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता, स्थानीय नेतृत्व को महत्व और कार्यकताओं की नाराजगी दूर करना ही आगे की राजनीति में सफलता की कुंजी साबित हो सकता है।डुमरांव में मिली हार ने निश्चित रूप से महागठबंधन को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि सिर्फ अच्छे प्रत्याशी ही नहीं, बल्कि मजबूत संगठन और एकजुटता ही जीत का वास्तविक आधार है।

नो एंट्री तोड़ने वाले ट्रक चालकों के खिलाफ डुमरांव पुलिस का अभियान जारी

- तीसरे दिन भी 20 ट्रकों से वसूला गया एक लाख रूपए का जुर्माना, बोले थानाध्यक्ष शहर को जाम से मुक्ति दिलाना प्राथमिकता

केटी न्यूज/डुमरांव

नो एंट्री के खिलाफ डुमरांव पुलिस का अभियान लगातार तीसरे दिन जारी रहा। इस दौरान पुलिस ने नो एंट्री के समय शहर की सीमा में प्रवेश करने वाले 20 चालकों से एक लाख रूपए का जुमार्ना वसूला। पुलिस की इस कार्रवाई से ट्रक चालकों में हड़कंप मचा रहा।

बता दें कि डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र की सीमा टेढ़की पुल के समीप तक है, बावजूद कई ट्रक चालक नो एंट्री के समय टिचर टेजनिंग कॉलेज के आगे तक आ जाते है। यहां से टेढ़की पुल तक सड़क के एक किनारे ट्रकों की लाईन लगी रहती थी। जिस कारण शहर में दिनभर जाम लगता था। लेकिन, पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद अब स्थिति बदल गई है। बुधवार को इसमें सुधार नजर आया तथा पूरे दिन ट्रक चालक टेढ़की पुल से आगे नहीं बढ़े। जिससे लोगों को जाम से राहत मिली। पुलिस की इस कार्रवाई की स्थानीय लोगों व व्यवसायियों ने जमकर तारीफ की है। लोगों का कहना है कि पुलिस यदि इसी तरह से सक्रिय रहे तो कई समस्याओं का समाधान हो सकता है। बता दें कि डुमरांव बिक्रमगंज पथ पर ट्रकों के बेतरतीब खड़ा रहने से जाम की समस्या काफी गंभीर हो गई थी। हालांकि, पिछले तीन दिनों से डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नो एंट्री तोड़ने वाले व ओवर लोड परिचालन करने वाले ट्रक चालकों को अच्छा सबक सिखाया है। जिसका परिणाम बुधवार को बाजार में देखने को भी मिला। इस संबंध में थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी को भी नो एंट्री तोड़ने या ओवरलोड परिचालन की छूट नहीं दी जाएगी। बता दें कि पिछले दो दिन भी पुलिस ने नो एंट्री तोड़ने व ओवर लोड परिचालन करने वाले ट्रक चालकों के खिलाफ अभियान चलाया था। मंगलवार को डुमरांव पुलिस ने करीब 1.65 लाख रूपए का जुमार्ना वूसला था। वहीं, आज भी करीब एक लाख का जुमार्ना वूसल ट्रक चालकों को नियमों का पालन करने की कड़ी सबक सिखाई है।

सिमरी में सुशीला देवी फिर बनीं प्रखंड प्रमुख, गायत्री देवी उप प्रमुख

- शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई पूरी चुनाव प्रक्रिया, 22 माह बाद मिला प्रखंड को नया नेतृत्व, समर्थकों में खुशी की लहर

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड में लगभग 22 महीने से लंबित चल रहे प्रमुख और उप प्रमुख के चुनाव का बुधवार को आखिरकार समाधान हो गया। डुमरांव अनुमंडल कार्यालय स्थित सभागार में दोपहर 2 बजे शुरू हुई चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण वातावरण में पूरी की गई। इस चुनाव में किसी भी पद के लिए प्रतिद्वंद्वी का नामांकन नहीं आने के कारण सुशीला देवी को निर्विरोध प्रखंड प्रमुख तथा गायत्री देवी को निर्विरोध उप प्रमुख घोषित किया गया। चुनाव की घोषणा होते ही सभागार तालियों से गूंज उठा और समर्थकों के चेहरे खिल उठे।

22 माह बाद खत्म हुआ इंतजार, कोर्ट की रोक हटने के बाद बनी राह

सिमरी प्रखंड में प्रमुख पद वर्ष 2024 में उस समय विवाद में आ गया था, जब तत्कालीन प्रखंड प्रमुख प्रियंका पाठक के विरुद्ध पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव पारित कर दिया था। मामला न्यायालय पहुंचा तथा पटना उच्च न्यायालय ने 5 अक्टूबर 2024 को चुनाव प्रक्रिया पर स्थगन लगा दिया था। लगभग एक वर्ष तक चुनाव की राह बंद रही। परंतु नए आदेश के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव कराने की अनुमति दी और जिलाधिकारी के निर्देश पर पूरे प्रखंड में व्यापक तैयारी शुरू कराई गई।

प्रशासन ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील माने जाने वाले इस क्षेत्र में सुरक्षा और शुचिता को प्राथमिकता देते हुए सभी 29 पंचायत समिति सदस्यों को विधिवत नोटिस तामील करवाया। एडीएम अरुण कुमार और एसडीएम राकेश कुमार ने मौके पर उपस्थित रहकर चुनाव को पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराया।

सुशीला देवी का अनुभव फिर आया काम, तीसरी बार मिली कमान

सुशीला देवी सिमरी की राजनीति में नया नाम नहीं। वर्ष 2001 में उनके पति स्व. सत्यनारायण दुबे ने 39 में से 29 मत प्राप्त कर प्रखंड प्रमुख पद संभाला था। इसके बाद 2024 के उपचुनाव में सुशीला देवी ने खुद मैदान में उतरकर 29 में से 25 वोट हासिल किए और प्रमुख बनीं। अब वर्ष 2025 में उन्हें दोबारा निर्विरोध चुनकर पंचायत समिति ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है।उप प्रमुख के रूप में निर्विरोध चुनी गईं गायत्री देवी भी प्रखंड राजनीति में सक्रिय और स्वीकार्य चेहरा मानी जाती हैं। दोनों महिलाओं के निर्विरोध चुने जाने को प्रखंड में स्थिरता और सामंजस्य का संकेत माना जा रहा है।

घोषणा के साथ ही छाया जश्न, फूल-मालाओं से हुआ स्वागत

जैसे ही एसडीएम ने सुशीला देवी और गायत्री देवी के निर्विरोध चुने जाने की घोषणा की, सभागार में मौजूद समर्थकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया। बाहर निकलते ही दोनों का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। समर्थकों ने जयघोष किया, मिठाइयाँ बांटीं और लाल गुलाल लगाकर अपनी खुशी जाहिर की। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि नए प्रमुख और उप प्रमुख के कार्यभार संभालने से प्रखंड की विकास योजनाओं को गति मिलेगी। लंबे समय से प्रशासी नेतृत्व के अभाव में अटके कई योजनात्मक कार्य अब पटरी पर लौटने की संभावना है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निर्विरोध चयन ने प्रखंड की राजनीतिक सद्भावना को भी मजबूत किया है। सिमरी प्रखंड में नए नेतृत्व की ताजपोशी के साथ 22 माह से अधर में लटका प्रशासनिक ढांचा अब फिर सक्रिय होने की उम्मीद कर रहा है। सुशीला देवी की अनुभवी कार्यशैली और गायत्री देवी की सक्रियता से जनता में नई उम्मीदों का संचार हुआ है।

राजापुर लिंक रोड जल-जमाव से बेहाल दर्जनों गांवों की आवाजाही पर असर

केटी न्यूज/बक्सर

चौसा प्रखंड के राजापुर ग्रामीण सड़क पर लंबे समय से हो रहे जल-जमाव ने स्थानीय लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह सड़क दर्जनों गांवों को आपस में जोड़ने के अलावा चौसा-मोहनिया पथ और चौसा-कोचस मुख्य सड़कों तक पहुंचने का शॉर्टकट मार्ग भी है। लगातार जल-जमाव और जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से आवागमन लगभग ठप हो गया है। स्थानीय ग्रामीणों गोसाईपुर के जनार्दन सिंह, राजापुर के आजाद अंसारी, रामनाथ चौबे, बीडीसी प्रतिनिधि लड्डू यादव, अनिल कमकर, वीरेंद्र यादव और रमन शर्मा ने बताया कि ओरा, पलिया, बुढ़ाडीह, पीठारी समेत कई गांवों के लोग रोजाना इसी मार्ग से होकर आते-जाते हैं। वर्षों से जल निकासी की समस्या बनी हुई है, लेकिन कई बार शिकायत के बावजूद पूर्व जनप्रतिनिधियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। सड़क पर भरे पानी और कीचड़ की वजह से मोटरसाइकिल व छोटे वाहनों का चलना जोखिम से भरा हो गया है, जबकि पैदल चलने वालों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल जाने वाले बच्चे, मरीज और कामकाजी लोग सबसे अधिक प्रभावित हैं। सड़क की बदहाली के कारण लोगों को अब पांच किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। ग्रामीणों को उम्मीद है कि नव-निर्वाचित विधायक इस पुरानी समस्या के समाधान के लिए जल्द पहल करेंगे। उनका कहना है कि यदि सड़क की मरम्मत व जल निकासी की बेहतर व्यवस्था की जाती है, तो क्षेत्र में आवागमन सुचारू होगा और आर्थिक तथा सामाजिक गतिविधियों में भी तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत जारी हुई 21वीं किस्त

- **ऑनलाइन प्रसारण में कृषि से जुड़ी विशेष जानकारी किसानों को दी गई**

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद के कृषि विज्ञान केंद्र बिक्रमगंज के धनगाई फार्म पर पीएम किसान सम्मान निधि का ऑनलाइन प्रसारण 350 महिला एवं पुरुष कृषकों के समक्ष किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा बुधवार को तमिलनाडु के कोयम्बटूर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रधानमंत्री किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की गई। इस किस्त में पात्र किसानों के बैंक खातों में सीधे दो हजार ट्रांसफर किए जाने की घोषणा हुई। कार्यक्रम में औरंगाबाद जिले के 40 किसान एवं रोहतास जिले के बिक्रमगंज, संझौली एवं काराकाट प्रखंड के 360 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि विज्ञान केंद्र के प्रधान आर.जलज द्वारा किया गया। किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र सरसों की खेती के लिए अग्रिम पंक्ति समूह परियोजना के तहत बीज मुहैया करा रही है। जिसके तहत गांव में सामूहिक स्तर पर लगाया जा सकता है। खाद एवं बीज बिक्री केंद्र की स्थापना हेतु डिप्लोमा सर्टिफिकेट की पढ़ाई केंद्र के द्वारा फरवरी 2026 से कराई जाएगी जिसमें किसान 28 हजार रुपये फीस देकर नामांकन करा सकते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ रमाकांत सिंह, मृदा वैज्ञानिक ने महिला एवं पुरुष किसानों को प्राकृतिक खेती के प्लाट को दिखाया और इसमें लगने वाले सभी अवयव को बनाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 1 एकड़ क्षेत्र में धान की खेती प्राकृतिक तरीके से करने के उपरांत कम से कम 5 से 6 हजार रु की बचत कर सकते हैं। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आभासी अभिभाषण महिला एवं पुरुष कृषकों ने सुना। उन्होंने अपने वक्तव्य में किसानों के लिए केंद्र सरकार के द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों की चर्चा की। केंद्र के द्वारा चलाए जा रहे किसानोंपयोगी कार्यक्रमों की जानकारी किसानों को दी। उपस्थित किसानों ने लाइव टेलीकास्ट को ध्यान पूर्वक सुना और किसानों को दी जा रही आर्थिक सहायता की प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में जीविका समूह की महिलाएं भी बड़ी संख्या में उपस्थित थी। जिन्हें संबोधित करते हुए उद्यान वैज्ञानिक डॉ. रतन कुमार ने बताया की कृषि विज्ञान केंद्र अब उन्हें सब्जी के बीज एवं पौधे भी मुहैया कराएंगे। साथ ही उन्होंने पपीता की खेती करने पर विस्तार रूप से चर्चा करते हुए कहा कि शिमला मिर्च के पौधे अब केंद्र के द्वारा जीविका दीदी को दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नए पौधों के निर्माण एवं सब्जी पौधशाला की उन्नत प्रभेद की जानकारी प्रशिक्षण के उपरांत जीविका दीदी को उपलब्ध कराई जायेगी। अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के अन्य कर्मी श्री एचपी शर्मा, प्रवीण कुमार, राकेश कुमार, नवीन कुमार अन्य लोग उपस्थित थे।

आरा पुलिस को बड़ी सफलता, मिठाई दुकानदार और बेटे की हत्या मामले में मुख्य शूटर अशोक सिंह गिरफ्तार

एजेंसी/आरा

मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलघाट गांव के समीप घटित मिठाई दुकानदार प्रमोद महतो और उनके छोटे पुत्र प्रियांशु कुमार की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य शूटर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तारी कोर्ट रोड के समीप से हो सकी। गिरफ्तार अशोक सिंह गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव का निवासी है। पुलिस पूछताछ कर कांड में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के प्रयास में लगी हुई है। पुलिस ने चार नवंबर को नवादा थाना के बहीरो निवासी द्वारिका शर्मा एवं गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव निवासी सूरज कुमार सिंह को गिरफ्तार कर कांड का राजफाश किया था।दोनों के पास से दो मोबाइल जब्त किया गया था। पूर्व से भी आपराधिक छवि वाले सूरज कुमार से पूछताछ में अशोक का नाम आया था। पुलिस उसे भी रिमांड पर लेगी। प्रमोद महतो मूल रूप से उदवंतनगर थाना क्षेत्र के कसाप गांव के निवासी थे। करीब 14 साल पहले उन्होंने बहीरो में मकान बनाकर परिवार बसाया था। बाद में वह मकान बेचकर पियनिया में नया घर बना लिए थे। मुख्य षड्यंत्रकर्ता द्वारिका शर्मा, जो पहले मृतक प्रमोद महतो का पड़ोसी था, ने प्रमोद की पत्नी से संबंधों के कारण उसे रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। उसने गजराजगंज ओपी क्षेत्र के कारीसाथ निवासी अशोक सिंह को हत्या के लिए चार लाख रुपये सुपारी दी थी। इसमें एक लाख रुपये एडवांस के रूप में दिए गए थे। बाकी काम होने के बाद देने के लिए बोला गया था। घटना के बाद प्रमोद के बड़े पुत्र हिमांशु कुमार ने अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी राज ने विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया था। इधर, 30 अक्टूबर की शाम करीब सात बजे द्वारिका ने पैसे का प्रलोभन देकर प्रमोद और उनके पुत्र प्रियांशु को गजराजगंज ओपी क्षेत्र के कारीसाथ गांव बुलाया था। वहां से दोनों को विश्वास में लेकर बेलघाट की ओर ले जाया गया था। जहां दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या में दो अवैध हथियारों का प्रयोग किया गया था। एसडीपीओ के अनुसार, गोली मारने के बाद गिरफ्तार सूरज कुमार ने प्रमोद का गला ब्लेड से रेता था।

ग्रामीण बैंक उपभोक्ताओं को पानी के जमाव से बढ़ी परेशानी

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड मुख्यालय राजपुर नोखा रोड ग्रामीण बैंक के सामने वार्ड संख्या ग्यारह स्थित गली में जल जमाव एवं कीचड रहने से परेशानी हो रही है। प्रतिदिन सैकडों लोग उक्त गंदगी से गुजरने के लिए मजबूर हैं। बगल में कन्या प्राथमिक स्कूल अवस्थित है। जिसमें पढाई के लिए सैकडों छात्राएं उक्त कीचड से होकर गुजरती हैं। कीचड के सामने वाले भवन में कोचिंग संस्थान चलाया जाता है। जहां क्लास करने सैकड़ो छात्र छात्राएं पहुंचती हैं।

उक्त रास्त में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,थाना एवं प्रखंड सह अंचल कार्यालय समेत अन्य सभी सरकारी कार्यालय स्थित है बावजूद भी प्रशासन मुक दर्शक बना हुआ है। पानी जमाव से परेशान स्थानीय लोगों में सुनिल सिंह, महेन्द्र चौधरी, शिक्षक अभय सिंह, रामजी चौधरी उर्फ मुखिया समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि नाली के अभाव में घरों से निकलने वाला पानी जल जमाव का कारण है.समस्या विगत कई वर्ष से बना हुआ है। जो नाली निर्माण के लिए पंचायत के मुखिया, प्रखंड प्रमुख एवं बीडीओ से विगत कई वर्ष से गुहार लगाया जा रहा है.विकास राशि का अभाव दिखाते हुए आश्वासन प्रदान करने की नीति अपनाई जा रही है। मामले में पंचायत के मुखिया रंजू देवी एवं उनके समाजसेवी पति सतीश कुमार सिंह ने बताया कि विकास राशि मिलते हीं नाली का निर्माण करवा दिया जावेगा।

रोहतास डीएम उदिता सिंह को 6वां राष्ट्रीय जल पुरस्कार से किया गया सम्मानित

केटी न्यूज/रोहतास

नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार एवं जल संचय जन भागीदारी अवार्ड्स के भव्य वितरण समारोह में रोहतास जिले को जल संरक्षण एवं जनसहभागिता के उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया।अवसर पर भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की गरिमामयी उपस्थिति में जिला पदाधिकारी रोहतास श्रीमती उदिता सिंह को यह सम्मान प्रदान किया गया। रोहतास जिले के जल संरक्षण मॉडल की राष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई। जिला प्रशासन द्वारा संचालित-जल संरक्षण,वर्षा जल संचयन,जल संरचनाओं के पुनर्जीवन,जनभागीदारी आधारित जल प्रबंधन, ग्रामीण स्तर पर जल बचाओ अभियान, माइक्रो वाटरशेड विकास कार्य जैसी पहलों को राष्ट्रीय मंच पर विशेष प्रशंसा मिली जिसके कारण जिला पदाधिकारी उदिता सिंह को अवार्ड से सम्मानित किया गया।

रोहतास जिले ने बीते वर्षों में जनसहयोग से कई प्रभावी मॉडल तैयार किए, जिनसे न केवल भू-जल स्तर में सुधार हुआ, बल्कि जल संसाधनों के दीर्घकालिक संरक्षण की दिशा में सशक्त परिणाम सामने आए। सम्मान ग्रहण करने के बाद जिला पदाधिकारी उदिता सिंह ने कहा कि यह पुरस्कार रोहतास जिले के प्रत्येक नागरिक, जल संरक्षण स्वयंसेवकों, सरकारी विभागों एवं प्रशासनिक टीम की संयुक्त मेहनत का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिले में जल प्रबंधन का ये पहल आने वाले वर्षों में और भी मजबूत होंगी।

एक नजर

मारपीट मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज। स्थानीय थाना में दर्ज मारपीट के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त सरोज सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कांड संख्या 729/25 से जुड़ा है, जिसमें मारपीट करने का आरोप दर्ज कराया गया था। वही गिरफ्तार अभियुक्त सरोज सिंह बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर हाल्ट का निवासी बताया जाता है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त को जांच के उपरांत न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया है।

रेलवे पुलिस ने सुरक्षा दृष्टि से स्टेशन पर चलाया चेकिंग अभियान

सासाराम। बुधवार को सासाराम रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी अलर्ट मुद्रा में है। रेलवे पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने हेतु सासाराम रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार और जीआरपी निरीक्षक सुमन कुमार के नेतृत्व में रेलवे सुरक्षा बल अधिकारी और स्टाफ सहित राजकीय रेल थाना के अधिकारी व स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से स्टेशन पर सभी ट्रेनों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिस जांच में सभी प्लेटफॉर्म, सकुर्लेटिंग एरिया,फुट ओवरब्रिज,वेटिंग हॉल,पार्किंग एरिया में गहन चेकिंग किया गया। इस दौरान किसी भी प्लेटफार्म पर खड़ी ट्रेनों में अनियमितता नहीं पाते हुए स्थिति सामान्य देखने को मिली।

सड़क दुर्घटना में दो युवक जख्मी, एक की स्थिति नाजुक

राजपुर । प्रखंड के अमाडी शखरा पथ में बुधवार को दोपहर सड़क दुर्घटना में दो युवक बुरी तरह घायल हो गये। घायल युवक राजपुर निवासी राजू प्रसाद गुप्ता का 20 वर्षीय बेटा पवन कुमार एवं शाखरा टोला निवासी अरविंद सिंह यादव का करीब 12 वर्षीय बेटा छीतिज कुमार बताया जाता है। इस संबंध में थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार ने बताया कि राजपुर निवासी पवन आपाची बाईक से अपने दोस्त शाखरा गांव निवासी छीतिज कुमार को छोड़ने शाखरा टोला गांव जा रहा था, तभी विपरीत दिशा से आ रहे मलांव गांव के समीप एक बालु लदे ट्रैक्टर के चकमा से आपस में टकरा गये। जिसकी सुचना लोगों ने पुलिस को दी। दूसरी तरफ घायल दोनों लोगों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करा दिया गया है। वहीं बाईक व ट्रैक्टर को जब्त कर थाना लाया गया। सीएचसी में ईलाज कर रहे चिकित्सक राकेश कुमार ने बताया कि पवन कुमार को सिर समेत अन्य कई जगह गंभीर चोट लगी है। जिसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया गया।

मुजफ्फरपुर में श्रम संसाधन विभाग के अधिकारी की स्कॉर्पियो चोरी, पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बेखौफ चोरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक अधिकारियों के वाहन भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है, जहाँ अहियापुर थाना क्षेत्र के सिपाहपुर मस्जिद चौक स्थित एक मोहल्ले में बीती रात श्रम संसाधन विभाग के अधिकारी मोहम्मद अली की स्कॉर्पियो चोरी कर ली गई। पूरी वारदात घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में स्पष्ट रूप से कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, श्रम परिवर्तन अधिकारी मोहम्मद अली, जिनकी पोस्टिंग गायघाट में है, अहियापुर के सिपाहपुर के पास किराए के मकान में रहते हैं। वे मुसहरी थाना क्षेत्र के बबलू कुमार चौधरी से सरकारी लीज पर ली गई स्कॉर्पियो से रोजाना आवाजाही करते थे। प्रतिदिन की तरह स्कॉर्पियो चालक मोहम्मद अल्ताफ रात में वाहन को घर के सामने पार्क कर गया था, लेकिन रात करीब 2 बजे एक कार में सवार कुछ चोर आए और स्कॉर्पियो को बड़ी आसानी से स्टार्ट कर फरार हो गए। कुछ दूर जाकर चोरों ने वाहन में लगा जीपीएस निकाल कर फेंक दिया, ताकि उनकी लोकेशन ट्रेस न हो सके। घटना की जानकारी मिलते ही मोहम्मद अली ने तुरंत अहियापुर थाना पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले से अवगत कराया, जिसके बाद प्राथमिकी (xxxx) दर्ज कर ली गई है। अहियापुर थाना अध्यक्ष रोहन कुमार ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025 की ट्रॉफी पहुंची राजधानी पटना, राज्यपाल ने राजभवन में किया स्वागत

केटी न्यूज/पटना

राजभवन के दरबार हॉल में आज बिहार के राज्यपाल महामहिम आरिफ मोहम्मद खान ने ट्रॉफी यात्रा में पटना पहुंची 'हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025' की ट्रॉफी का दीप जलाकर पारंपारिक तरीके से विधिवत स्वागत और अनावरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव आर एल चोंगथू, खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.बी राजेंदर, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण, खेल विभाग के निदेशक महेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। महामहिम को स्मृति चिह्न देकर डॉ. बी राजेंदर ने सम्मानित किया। हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025' और ट्रॉफी यात्रा के संदर्भ में जानकारी देते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि यह ऐतिहासिक अवसर सम्पूर्ण बिहार, विशेषकर हमारे गौरवशाली शहर पटना के लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का क्षण है। हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप 2025जिसका 14वाँ संस्करण 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक तमिलनाडु के चेन्नई और मदुरै में आयोजित होने जा रहा है।यह भी अत्यंत उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विश्व की 24 श्रेष्ठ टीमें इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं, जिससे इस आयोजन की गरिमा और प्रतिस्पर्धा का स्तर और भी ऊंचा हो गया है।साथ ही, इस अवसर का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है xxxx जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 की ट्रॉफी यात्रा। 7 नवंबर को नयी दिल्ली से शुरू हुई यह यात्रा, पूरे देश में खेल भावना को जगाने, युवाओं में हॉकी के प्रति उत्साह बढ़ाने और इस वैश्विक आयोजन को प्रत्येक भारतीय के दिल तक पहुंचाने का एक अद्वितीय प्रयास है। यह यात्रा 20 शहरों से होकर गुजर रही है और 20 नवंबर को केरल में संपन्न होगी। हम गर्व महसूस करते हैं कि इन 20 चयनित शहरों में पटना भी शामिल है जो अपने आप में बिहार की बढ़ती खेल संस्कृति, यहां के युवाओं की ऊर्जा, और हमारे राज्य की मजबूत होती अंतर्राष्ट्रीय खेल पहचान का प्रमाण है।आज यहां उपस्थित यह अद्भुत ट्रॉफी आकर्षक, अनोखी और विश्व हॉकी की गरिमा का प्रतीक है जो सिर्फ एक खेल उपलब्धि का चिह्न नहीं, बल्कि देश के करोड़ों युवा खिलाड़ियों के सपनों, परिश्रम और भविष्य का उज्ज्वल प्रतीक भी है। पूर्व में 4 बार हॉकी मेंस जूनियर वर्ल्ड कप का आयोजन हमारे देश में हो चुका है तथा भारत ने इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को 2001 और 2016 में दो बार जीतकर विश्व मंच पर अपना परचम लहराया है। सभी की ओर से इस वर्ल्ड कप के आयोजकों इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन, हॉकी इंडिया, तमिलनाडु सरकार ,तमाम खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं हैं और हमारी कामना है कि हमारे युवा खिलाड़ी इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भारत को फिर से जीत का गौरव दिलाएँ, और यह सुनहरा कप एक बार फिर हमारे देश की झोली में आए। राजभवन से ट्रॉफी पटना के विभिन्न स्थानों से होती हुई पाटलिपुत्र खेल परिसर में पहुंची जहां इसे नजदीक से देखने के लिए खिलाड़ियों और आम लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा।

धनरूआ में दो फरार अभियुक्तों के घरों पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार, बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला

केटी न्यूज/पटना

पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र से फरार दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कार्रवाई की लेकिन वो हाथ नहीं आया तब दोनों घर पर इश्तेहार चिपकाए हैं। यह कार्रवाई कांड संख्या 533/25 में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत दर्ज मामले के संदर्भ में की गई है। धनरूआ थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि धनरूआ थाना क्षेत्र के नीमा गांव निवासी कालेश्वर शर्मा के पुत्र कौशलेंद्र उर्फ संजय और स्व. बहादुर शर्मा के बेटे कौशल शर्मा के घर पर इश्तेहार चिपकाया गया है। ये दोनों पुलिस की फरार चल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने छापेमारी की लेकिन हाथ नहीं आए। अब इनके घर पर इश्तेहार लगाया गया है, यदि फिर भी ये उपस्थित नहीं होते हैं तब कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के तहत यह इश्तेहार जारी करते हुए दोनों अभियुक्तों को निर्धारित समयावधि में थाना में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इश्तेहार में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि वे निर्धारित अवधि में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामला इठर की धारा 126(2), 115(2), 109(1) और 3(5) जैसी गंभीर धाराओं के अंतर्गत दर्ज है। पुलिस दोनों फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

नवंबर में ही ठंड करेगी लोगों का जीना मुश्किल, समय रहते कर लें तैयारी

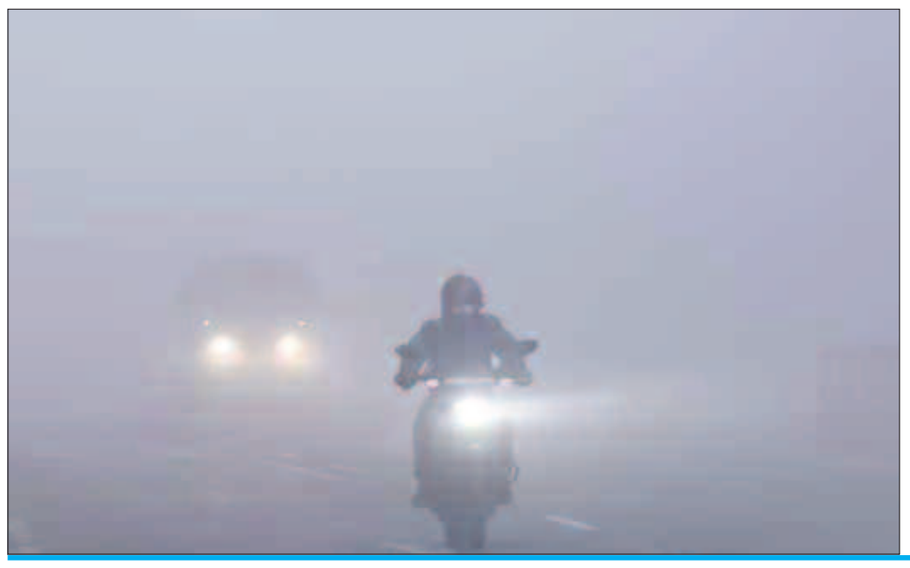

एजेंसी/पटना

बिहार में 3 दिन के बाद ठंड दिखाएगी अपना असली रूप, पटना पूर्णिया छोड़ कई जिलों में तापमान लुढ़का, कोहरे को लेकर भी जारी हुआ अलर्ट. बिहार में मौसम धीरे-धीरे अपना रंग बदल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन दिनों तक हवा शुष्क बनी रहेगी, लेकिन उसके बाद ठंड लोगों को अपना असली रूप दिखाने वाली है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि पछुआ हवाओं और ला नीना के प्रभाव से नवंबर में ही न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे चला जाएगा। ऐसे में बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। साथ ही सड़क पर कोहरा छाने की वजह से वाहन चालकों को भी सतर्क रहना पड़ेगा। मंगलवार को पटना सहित 20 जिलों में अधिकतम तापमान बढ़ा है। पटना का पारा 27.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि पूर्णिया 31.4 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। शुष्क मौसम की वजह से दिन सामान्य ही रहा, लेकिन सुबह-शाम ठंडक महसूस हो रही। उत्तरी जिलों में मध्यम कोहरा छाया रहा जबकि पूर्णिया में विजिबिलिटी महज 1000 मीटर रह गई। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में 22 नवंबर के आसपास निम्न दबाव का क्षेत्र बनेगा। फिर यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा, जिससे मौसम में अचानक बदलाव आएगा। फिलहाल तीन-चार दिनों तक अधिकतम तापमान स्थिर ही रहेगा। हालांकि, ला नीना के प्रभाव से इस साल सर्दी सामान्य से 15-20 दिन ज्यादा चलेगी। इस बार दिसंबर से फरवरी के अंत तक ठंड का प्रकोप रहेगा। आने वाले दिनों में ठंड बढ़ने से प्रदूषण का स्तर भी बढ़ सकता है। लोगों को मास्क पहनने और बाहर कम निकलने की सलाह दी गई है।

एक नजर

समस्तीपुर में सरपंच के बेटे को मारी गोली, गंभीर हालत में डीएमसीएच रेफर

बिहार विधानसभा चुनाव के बाद एक बार फिर समस्तीपुर में क्राइम अनकंट्रोल हो गया है। ताजा मामला विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया बांध के पास हुई, जहां अपराधियों ने सरपंच पुत्र को गोली मार कर उसे गम्भीर रूप से घायल कर दिया। गोली उसके सीने के बाएं तरफ लगी है। जिसके बाद आनन-फानन में उसे सिंघिया पीएचसी में भर्ती कराया गया जहां नाजुक हालत देखते हुए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेजा गया जहां के डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए उसे डीएमसीएच रेफर कर दिया।जानकारी के मुताबिक विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघिया बांध पर स्लुईस गेट के पास बदमाशों ने बुधवार देर शाम भोज खाने जा रहे सरपंच पुत्र को गोली मारकर जख्मी कर दिया। जख्मी की पहचान नरहन की सरपंच रेखा सिंह के 28 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार राय के रूप में की गई है। घटना की सूचना पर जुटे लोगों ने उन्हें तत्काल विभूतिपुर पीएचसी में भर्ती कराया जहां से उन्हें गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। बताया गया है कि वह अपने एक मित्र के साथ बाइक से भोज खाने के लिए विभूतिपुर थाना क्षेत्र के ही फफौत गांव जा रहा था। इसी दौरान पीछा कर रहे बाइक सवार बदमाशों ने उन पर गोली चला दी। गोली सोनू कुमार राय के बाएं पंजरे में जा लगी और वह वही गिर गए।फिलहाल घटना के पीछे क्या वजह है इसका खुलासा न तो परिजन और न ही पुलिस ही कर पा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिहार में बेखौफ अपराधियों ने बिजली मिस्त्री को मारी गोली, हालत गंभीर

सहरसा। सहरसा जिले के बिहरा थाना क्षेत्र के खादीपुर-शहरवार के बीच बुधवार शाम करीब साढ़े छह बजे अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने बिजली वायरिंग करने वाले 50 वर्षीय मोहम्मद अजीम को गोली मार दी है। जानकारी के मुताबिक ये गोली उनके पेट में लगी और अंदर ही फंस गई है। बताया जा रहा कि मोहम्मद अजीम सत्तर गांव के रहने वाले हैं। परिजनों के अनुसार वे उस वक़्त घर से दूध लेने के लिए निकले हुए थे, इसी दौरान बाइक पर आए दो अज्ञात अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी और तुरंत मौके से फरार हो गए। इस घटना की सूचना मिलते ही बिहरा थाना पुलिस और सदर एसडीपीओ आलोक कुमार मौके पर पहुंचे। जिसके बाद घायल को तुरंत सदर अस्पताल लाया गया और वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। पेट में फंसी गोली को निकालने की कोशिश जारी है। परिजनों को थोड़ा सा भी अंदाजा नहीं है कि इस घटना की वजह क्या हो सकती है और इसके पीछे कौन लोग हैं। उनका कहना है कि अजीम की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी।

दरभंगा जंक्शन पर बड़ा हादसा, टावर गिरने से दो युवकों की मौत, कंपनी पर लापरवाही के आरोप

- **पहले शरीर पर छीड़का पेट्रोल फिर लाइटर से लगा ली आग**

दरभंगा जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर सोमवार देर रात हुए दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवक स्टेशन परिसर में टेलीकॉम कंपनी के लिए काम करते थे। बताया गया कि टावर पर काम करने के दौरान अचानक टावर टूटकर गिर पड़ा, जिससे दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई है। फिलहाल जीआरपी और आईपीएफ ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया है।प्लेटफॉर्म्झ 1 के पास टावर गिरने से खगड़िया जिले के दो युवकों की मौत हुई है। मृतकों की पहचान जयवीर कुमार (25 वर्ष), निवासी शेर, वार्ड 14, थाना गोगरी, जिला खगड़िया, और उसके साथी घनश्याम पासवान के रूप में हुई। दोनों पिछले पाँच वर्षों से

टेलीकॉम कंपनी शिवांशी ग्रुप यूनिट नालंदा के संवेदक राजू कुमार के अधीन कार्यरत थे।मृत जयवीर के पिता अरविंद कुमार यादव द्वारा जीआरपी दरभंगा को दिए गए आवेदन के मुताबिक, 16 नवंबर को संवेदक राजू कुमार ने फोन कर दोनों युवकों को दरभंगा में काम के लिए बुलाया था। उसने बताया था कि वह उनके खाते में एक हजार रुपये भेज रहा है और दोनों तत्काल दरभंगा पहुँचकर टावर का काम करें। इसी सूचना पर जयवीर और घनश्याम दरभंगा पहुंचे। 17 नवंबर की रात घनश्याम ने फोन पर परिजनों को बताया कि दरभंगा स्टेशन पर टावर का काम करते समय अचानक टावर टूटकर गिर गया। हादसे में जयवीर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल घनश्याम की राजपुर ले जाते समय रास्ते में मृत्यु हो गई। सूचना पर परिजन और ग्रामीण स्टेशन पहुंचे तो देखा कि जयवीर कुमार का शव रेल थाना दरभंगा के ठीक सामने प्लेटफॉर्म पर पड़ा था। परिजनों के अनुसार, टावर काफी पुराना था और उसके नीचे जंग लगा हुआ था।मृतक के पिता अरविंद यादव ने आरोप लगाया कि संवेदक राजू कुमार ने निजी स्वार्थ में बिना किसी सेफ्टी के दोनों को पुराने टावर पर चढ़ा दिया। टावर कमजोर होने के कारण टूट गया, जिससे दोनों की मौत हो गई। यह पूरी तरह से संवेदक और कंपनी की लापरवाही है। उन्होंने कहा कि कंपनी की ओर से न सेफ्टी किट दिया जाता था और न ही सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता था, जबकि टावर पर चढ़ना अत्यंत जोखिम भरा काम था। अरविंद यादव ने सवाल उठाया कि अब उनके बेटे की पत्नी और मासूम बच्ची का भरणझपोषण कौन करेगा। उन्होंने कहा कि परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है और सरकार व प्रशासन से उचित मुआवजा एवं न्याय की मांग की है। जीआरपी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों द्वारा दिए गए आवेदन और लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

दरियापुर हत्या कांड पर कोर्ट की बड़ी कार्रवाई, दोनों आरोपी उम्रकैद भेजे गए जेल

एजेंसी/पटना

बिहार के छपरा व्यवहार न्यायालय में गंभीर अपराधों के मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर वर्ष 2025 में सारण जिले के विभिन्न थानों में दर्ज गंभीर मामलों को चिन्हित कर अदालत में प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही कराई जा रही है। इसी क्रम में दरियापुर थाना क्षेत्र के एक हत्या कांड में आज अहम फैसला सुनाया गया।अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशझ09 राजीव कुमार भारती की अदालत ने दरियापुर थाना कांड संख्याझ07/20 (दिनांक 07.01.20) में दर्ज हत्या मामले में दो आरोपितों बनारस राय और नुनु राय को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही दोनों दोषियों पर 5-5 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अदालत ने यह भी आदेश दिया है कि अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर दोनों को 6-6 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।इस मामले में अनुसंधानकर्ता द्वारा समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण जांच कर आरोपियों के खिलाफ मजबूत साक्ष्य अदालत में प्रस्तुत किए गए। अभियोजन पक्ष ने चिकित्सक एवं अनुसंधानकर्ता सहित कुल 08 साक्षियों की गवाही कराई, जिसने आरोपियों की संलिप्तता को प्रमाणित किया। अदालत में लोक अभियोजक सर्वजीत ओझा एवं सहायक अधिवक्ता समीर कुमार मिश्रा ने अभियोजन पक्ष की ओर से मजबूती से पैरवी करते हुए सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र के रामपुर जैती गांव निवासी रामजीवन राय के पुत्र बनारस राय और नुनु राय को सजा दिलवाई। उधर, सारण पुलिस का कहना है कि जिले के अन्य गंभीर मामलों में भी त्वरित न्याय सुनिश्चित करने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष अभियान के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

पटना में हथियार तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, 8 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी/पटना

पटना पुलिस ने हथियारों की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतर-जिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार ने बताया कि पुलिस ने दो अलग-अलग थानों की संयुक्त कार्रवाई में कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी के अनुसार, चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र से चार अभियुक्तों को एक देसी कट्टा के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में इनसे मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने चौक थाना क्षेत्र में छापेमारी कर चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से एक देसी पिस्तौल बरामद की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे मोकामा से हथियार लाकर पटना और आसपास के इलाकों में सप्लाई करते थे। पुलिस का कहना है कि यह एक संगठित हथियार तस्करी नेटवर्क था, जिसकी गतिविधियों पर काफी समय से नजर रखी जा रही थी।सिटी एसपी परिचय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों के नेटवर्क, सप्लाई चेन और संपर्कों की जांच जारी है। पुलिस टीम इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि इनके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं तथा हथियार कहां-कहां भेजे जाते थे। पटना पुलिस का मानना है कि इन गिरफ्तारियों से शहर में अवैध हथियारों की सप्लाई पर बड़ा असर पड़ेगा और अपराध पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

दीक्षांत समारोह से पहले मिथिला विश्वविद्यालय में छात्रों का प्रदर्शन अंगवस्त्र की गुणवत्ता पर सवाल, कुलपति आवास का किया घेराव

एजेंसी/पटना

दीक्षांत समारोह से पहले मिथिला विश्वविद्यालय में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों ने अंगवस्त्र की गुणवत्ता और व्यवस्था को लेकर कुलपति आवास का घेराव किया और नारेबाजी की। मिथिला विश्वविद्यालय में 21 तारीख को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह की तैयारियाँ जोर-शोर से चल रही हैं, लेकिन इससे पहले ही समारोह में शामिल होने वाले मेडलधारी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छात्रों का आरोप है कि समारोह में दिए जाने वाले अंगवस्त्र पाग और चादर की क्वालिटी बेहद खराब है। छात्रों से 12 से 17 सौ रुपये लिए जा रहे हैं, लेकिन न तो ठीक कपड़ा दिया जा रहा है और न ही भोजन की उचित व्यवस्था है। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी चरमराई हुई बताई गई। इसी बात को लेकर छात्रों में आक्रोश व्याप्त है. विरोध कर रहे छात्र कार्यक्रम स्थल से निकलकर कुलपति आवास पहुँच गए और वहाँ जमकर नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। छात्रों का कहना है कि इतनी प्रतिष्ठित उपलब्धि के सम्मान में आयोजित समारोह में निम्न स्तर की सामग्री देना और अव्यवस्था स्वीकार नहीं की जा सकती। सूचना मिलते ही प्रशासन और विश्वविद्यालय के अधिकारी मौके पर पहुँचे और छात्रों को शांत कराने का प्रयास किया। देर शाम तक समझाने-बुझाने की प्रक्रिया जारी रही।

सोनपुर मेला 2025: पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना स्वीस कॉटेज, उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी/सोनपुर

विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला एक बार फिर देश-विदेश के पर्यटकों और श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र है। एशिया के सबसे बड़े पशु मेला के रूप में विख्यात इस मेले में आने वाले पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटक ग्राम का निर्माण कराया गया है, जहां मेले में स्थित लग्जरी मिनी दरबारी और राजवाड़ी टेंट पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसमें जापान सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आए पर्यटकों ने ठहरकर मेला क्षेत्र का आनंद लिया है। इसके साथ ही पर्यटकों

को सोनपुर मेला भ्रमण कराने हेतु टूर पैकेज की व्यवस्था भी दी गई है। जिसमें पटना से मेला स्थल तक पर्यटकों के ठहरने से लेकर उनके घूमने-फिरने और भोजन तक की सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए मेला स्थल के समीप ही पर्यटक ग्राम में अत्याधुनिक लग्जरी स्वीस कॉटेज का निर्माण किया गया है। इन टेंटों का निर्माण दो श्रेणी में किया गया है। इनकी भव्यता के कारण इन लग्जरी टेंटों को मिनी दरबारी और राजवाड़ी का नाम दिया गया है। सोनपुर में राजसी अंदाज वाले कई टेंट लगाए गए हैं। मिनी दरबारी और राजवाड़ी टेंट में पंचसितारा होटल की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन लग्जरी टेंटों का किराया देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए अलग-अलग निर्धारित किये गए हैं। देशी पर्यटकों के लिए इसका किराया 3,000 प्रति रात और विदेशी पर्यटकों के लिए 5,000 प्रति रात निर्धारित है। इन पूर्णतः वातानुकूलित लग्जरी टेंट्स में अटैच्ड बाथरूम, 24 घंटे बिजली-पानी, भोजन आदि के साथ सुरक्षा की पूरी व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी है। बिहार पर्यटन विकास निगम पटना से सोनपुर मेला तक लोगों के आने-जाने के लिए विशेष लग्जरी वाहनों के परिचालन की व्यवस्था कर रखी है। पर्यटकों के लिए इन लग्जरी वाहनों का परिचालन पटना के वीर चंद पटेल पथ और उसके समीप ही दारोगा राय पथ स्थित सिख हेरिटेज गुरु नानक भवन से किया जा रहा है। पर्यटकों को सोनपुर मेला के भ्रमण के लिए दारोगा राय पथ स्थित कौटिल्य विहार से प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 7 बजे तक किया जा रहा है।

कपल्स के लिए स्पेशल टूर पैकेज मात्र 6,000 रुपए में

इस बार सोनपुर मेले में कपल्स के लिए स्पेशल टूर पैकेज का भी इंतजाम किया गया है। मात्र 6,000 रुपये प्रति कपल की राशि में कपल्स को होटल में ठहरने, इटियोस एसी वाहन, अनुभवी टूरिस्ट गाइड, ब्रेकफास्ट, लंच, स्नैक्स और डिनर, जैसी सुविधा दी गई है। बता दें कि प्राचीन काल से सोनपुर में गंगा और गंडक नदियों के पवित्र संगम स्थल पर लगने वाला हरिहर क्षेत्र का यह मेला हर साल कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होता है। कार्तिक पूर्णिमा से एक एक महीने तक गंगा और गंडक के पवित्र संगम में लाखों श्रद्धालु स्नान कर एशिया के सबसे बड़े पशु मेले का नजारा देखने पहुंचते हैं। मेले का आनंद लेने के लिए देश-विदेश से आने वाले पर्यटक बिहार पर्यटन विकास निगम की वेबसाइट या टोल-फ्री नंबर- 8544418314 पर अपनी बुकिंग करा सकते हैं।

5 से 16 दिसंबर तक गांधी मैदान में सजेगा 41वां पुस्तक मेला, 200 स्टॉल और 300 कार्यक्रम होंगे

एजेंसी। पटना

5 दिसंबर से 16 दिसंबर तक पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में पुस्तक मेला का आयोजन किया जाएगा। सेंटर फॉर रीडरशिप डेवलपमेंट बुक फेयर आयोजित करेगा। पटना का गांधी मैदान एक बार फिर दिसंबर में ज्ञान, साहित्य और संस्कृति के सबसे बड़े संगम का साक्षी बनने जा रहा है। 41वां पटना पुस्तक मेला इस बार 5 से 16 दिसंबर 2025 तक भव्य रूप में आयोजित होगा। इस बार आयोजन समिति ने मेले को सिर्फ पुस्तकों का बाजार नहीं, बल्कि समाज, सृजन और संवाद का केंद्र बनाने की तैयारी की है। मेले में 200 बुक स्टॉल लगाये जाएंगे। इस बार का बुक फेयर कथाकार अवधेश प्रीत को समर्पित है। पुस्तक मेला में करीब 300 कार्यक्रम होंगे। मेला में मुशायरा, कवि सम्मेलन, ज्ञान और गुरूकुल, 'तेरी मेरी प्रेम कहानी' जैसे कार्यक्रमों का आयोजन होगा। इस बात की जानकारी पुस्तक मेला के अध्यक्ष एवं साहित्यकार रत्नेश्वर ने दी। उन्होंने बताया कि यहां एक सिनेमा हाल भी रहेगा जहां हर दिन फीचर फिल्म, शार्ट फिल्म और वृतचित्र दिखाया जाएगा। पंकज त्रिपाठी की फिल्म लाली, अखिलेन्द्र मिश्रा की बारात सहित कई फिल्में दिखाई जाएगी। वही आओ आओ नाटक देखो में पटना के कॉलेज के छात्र नाट्य का मंचन करेंगे।

सुभाषितम्

करुणा में शीतल अग्नि होती है जो क्रूर से क्रूर व्यक्ति का हृदय भी आर्द्र कर देती है। - सुदर्शन

जब डॉक्टर ही निकले जूता-बम विस्फोट के आतंकी !

दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके की जांच में एक बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आतंकी 6 दिसंबर, यानी बाबरी मस्जिद ढहाए जाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। इनमें बम और विस्फोटक सामग्री भरकर धमाके किए जाने थे। इस काम के लिए ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर, इकोस्पोर्ट और आई20 जैसी गाड़ियां शामिल की गई थीं। पुलिस की जांच एजेंसियों को अब तक 3 कारें बरामद हो चुकी हैं,जबकि चौथी चौथी स्विफ्ट डिजायर की तलाश है। बीती 10 नवंबर को जिस आई20 कार में जूता- बम धमाका हुआ था, वह इसी सीरियल रिवेंज अटैक का हिस्सा थी। ब्लास्ट से अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 से अधिक लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।यह विस्फोट जूता बम से किया गया,यह एनआईए की चल रही जांच में खुलासा हुआ है। जूता - बम बेहद खतरनाक माना जाता है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली कार ब्लास्ट को आतंकी हमला माना है। केंद्रीय कैबिनेट मीटिंग में टेरर अटैक पर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। पुलिस ने हरियाणा के खंदावली गांव से एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। यहीं से इको स्पोर्ट्स कार बरामद हुई है।पुलिस ने आशंका जताई कि दिल्ली धमाके में शामिल आतंकियों के पास एक नहीं, बल्कि दो कारें थीं। जिसकी तलाश के लिए दिल्ली के साथ पड़ोसी राज्यों यूपी और हरियाणा में अलर्ट जारी किया गया था। इसके बाद हरियाणा के खंदावली गांव में लावारिस गाड़ी होने की खबर सामने आई।

इस गाड़ी की जांच के लिए एनएसजी बॉम्ब स्क्वाड की टीम पहुंची है। गाड़ी अभी तक पूरी तरह से खोली नहीं गई है। गाड़ी जहां मिली, वह उमर के ड्राइवर की बहन का घर था।दिल्ली ब्लास्ट मामले में पुलिस का मानना है कि आतंकियों द्वारा बीती जनवरी में लाल किले की रेकी की गई थी।यानि दिल्ली को दहलाने की साजिश जनवरी से रची जा रही थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के मोबाइल डंप डेटा से पता चला कि फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुजम्मिल गनी और धमाके में कथित रूप से मारे गए डॉ. उमर नबी ने जनवरी में कई बार लाल किले की रेकी की थी। दोनों ने वहां की सुरक्षा-और भीड़ का पैटर्न समझा था। पुलिस को शक है कि आतंकियों की प्लानिंग 26 जनवरी पर लाल किले पर हमले की थी, जो उस समय नाकाम हो गई थी।साथ ही दिल्ली में 6 दिसंबर को आतंकियों का हमले करने का प्लान था , लेकिन मुजम्मिल की गिरफ्तारी से उनका प्लान बिगड़ गया। यह बात 8 आरोपियों से पूछताछ में भी सामने आई हैं। इस अंतरराज्यीय मॉड्यूल का केंद्र फरीदाबाद में था। गिरफ्तार आतंकियों में 6 डॉक्टर हैं। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है,जो डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है,वह अलफलाह यूनिवर्सिटी में पढ़ा रहा था।इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है।वही गनी नामक आतंकी खाद की बोरी बताकर विस्फोटक जुटा रहा था ।फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी में काम कर रहा कश्मीरी डॉ. मुजम्मिल गनी खाद की बोरियां बताकर किराए के कमरे में विस्फोटक सामग्री जमा कर रहा था। 20 दिन पहले मुजम्मिल कमरे में कुछ बोरियां रखने आया था, तब पड़ोसियों ने उससे पूछा था कि इसमें क्या है? जवाब में मुजम्मिल ने कहा था कि ये खाद के कट्टे हैं। इन्हें कश्मीर ले जाना है।पुलिस ने विस्फोटक रखे कमरे से 100 मीटर दूर एक मकान में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज जब्त कर ली हैं।दिल्ली कार ब्लास्ट केस में एटीएस ने कानपुर के कार्डियोलॉजी विशेषज्ञ डॉक्टर आरिफ को भी गिरफ्तार किया है। उसका कनेक्शन मारे गए आतंकी डॉक्टर उमर और उसकी सहयोगी लेडी टेररिस्ट डॉ. शाहीन से मिला है। आरिफ दोनों लोगों के संपर्क में था। जांच में यह भी सामने आया कि शाहीन और आरिफ के बीच हर रोज बात होती थी।जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सोपोर के मूमिनाबाद इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान दो हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान शबीर नजार और शबीर मीर के रूप में हुई है।कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, आतंकियों के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और सुरक्षाबल यह पता लगाने में जुटे हैं कि दोनों की आतंकी नेटवर्क से कितनी गहरी संलिप्तता थी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हाई लेवल की मीटिंग हुई। जिसमें दिल्ली पुलिस, एनआईए और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसी तरह जम्मू रेलवे स्टेशन पर सर्च ऑपरेशन किया गया जम्मू रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने संयुक्त रूप से बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया।

हैपुलिस के अनुसार, छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर थाने लाया गया और कानूनी तौर पर बाउंड डाउन किया गया। इसके अलावा, 22 ओवरग्राउंड वर्कर्स के ठिकानों पर तलाशी ली गई, जिनमें से 20 को चेतावनी देकर छोड़ा गया और दो को हिरासत में लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। सोपोर के मूमिनाबाद इलाके में संयुक्त अभियान के दौरान दो हाइब्रिड आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आतंकियों की पहचान शबीर नजार और शबीर मीर के रूप में हुई है। कश्मीर जोन पुलिस के अनुसार, आतंकियों के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और सुरक्षाबल यह पता लगाने में जुटे हैं कि दोनों की आतंकी नेटवर्क से कितनी गहरी संलिप्तता थी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हाई लेवल की मीटिंग हुई।जिसमें दिल्ली पुलिस, एनआईए और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इसी तरह जम्मू रेलवे स्टेशन पर सर्च ऑपरेशन किया गया जम्मू रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने संयुक्त रूप से बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया।

अनादि काल से है आतंकवाद

नक्सलवाद के खिलाफ जंग जीतने का दावा भारत सरकार कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा बार-बार कहा जा रहा है कि नक्सलवाद को 2026 मार्च तक खत्म कर दिया जाएगा। सरकार द्वारा नक्सलवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई भी की जा रही है। सरकार की इस कार्रवाई से सैकड़ों नक्सलवादी मारे गए हैं और हजारों नक्सलवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इस तरह से कुछ समय के लिए नक्सलवादियों से राहत जरूर मिल सकती है, लेकिन यह असंभव जैसा है कि आगे फिर कभी यह सिर नहीं उठाएगा। आतंकवाद कुछ समय के लिए नियंत्रित तो जरूर किया जा सकता है, लेकिन आतंकवाद सदा से पूरी तरह खत्म नहीं हुआ और ना कभी होगा। इतिहास गवाह है कि आतंकवाद हमेशा हर काल में देखने को मिला है। दरअसल जब लोगों की महत्वाकांक्षाएं बढ़ती हैं या जरूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं तो ऐसी समय पर आतंकी घटनाएं बढ़ जाती हैं। इस आतंक के जरिए या तो सत्ता पर कब्जा किया जाता है या आतंक के बल पर अपनी निजी इच्छाओं और जीवन-यापन की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश की जाती है। इस कारण से समय-समय पर आतंकवाद पनपता रहा है और आगे भी बना रहेगा। इस कटु सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक नक्सलवाद की बात है तो बताते चलें, कि यह भारतीय कम्युनिस्ट आन्दोलन के फलस्वरूप उत्पन्न हुआ जो कि साम्यवादी क्रान्तिकारियों के आन्दोलन का अनौपचारिक नाम है। नक्सल या नक्सली शब्द की शुरूआत पश्चिम बंगाल के एक छोटे से गाँव नक्सलबाड़ी से हुई। कम्यूनिस्ट नेता चारू मजूमदार और कानू सान्याल ने सन् 1967 में सत्ता के विरुद्ध सशस्त्र आन्दोलन प्रारंभ किया। बताया गया कि मजूमदार चीन के कम्यूनिस्ट नेता माओत्से तुंग से प्रभावित थे, जिनका मानना था कि भारतीय श्रमिकों एवं किसानों की दुर्दशा के लिए सरकार की नीतियाँ उत्तरदायी हैं। इस न्यायहीन दमनकारी वर्चस्व को बदलने के लिए सशस्त्र क्रान्ति का रास्ता अपनाया गया। तभी से लगातार नक्सली हमले होते रहे। दंतेवाड़ा की झीरम घाटी में कई बड़े नक्सली हमले हुए। दर्जनों नेता और सैकड़ो लोग मारे गए। इससे हटकर जम्मू-कश्मीर में भी समय-समय पर आतंकवाद देखने को मिला। असम राज्य में भी एक समय पर आतंकवाद का बोलबाला था। जो आतंक से जुड़े थे वे बाद में सत्ता में आ गए। इस प्रकार आतंकवाद देश के अंदर भी पनपता है और पड़ोसी देशों द्वारा भी आतंकवाद फैलाकर दूसरे देश में कब्जा करने या उसे कमजोर करने के लिए आतंकवाद का सहारा लिया जाता है। जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। इस स्थिति में सरकार कितने भी दावे कर्यों न कर ले आतंकवाद को कभी खत्म नहीं किया जा सकता है। आतंकवाद को खत्म करने का एक ही रास्ता है। हमेशा संवाद कायम रहे। संवाद में प्रेम और जोड़ने की इच्छा शक्ति हो, तो आतंकवाद को नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन जब-जब संवाद कम होता है या उससे दूर भागा जाता है प्रेम के स्थान पर नफरत के साथ जब हम दूसरों के अधिकार और संपत्ति को हड़पना चाहते हैं तो ऐसी स्थिति में आतंकवादी घटनाएं बढ़ने लगती हैं। केंद्र सरकार जो दावा कर रही है, उसमें पलड़ा सरकार का भारी हो सकता है। बहुत हद तक आतंकवाद को नियंत्रित भी किया जा सकता है, लेकिन इस पर सतत निगरानी रखनी होगी। सरकार को ऐसी नीतियां बनानी होंगी जिसे नक्सलवादी और आतंकी घटनाएं बढ़ती हैं उन घटनाओं को शुरूआत से ही नियंत्रित रखा जा सके। सरकार को सदैव सतर्क रहने की जरूरत है। आतंकवाद के खिलाफ जंग कभी समाप्त नहीं होगी, यह मानव जीवन के नेचर में हमेशा से विद्यमान है और आगे भी रहेगा। हां सरकार को यह जरूर देखना चाहिए कि नक्सलवाद और आतंकवाद जिन कारणों से पनपता है उन कारणों पर हमेशा ध्यान रखे। सरकार को सुरक्षा के साथ सतर्क रहने की जरूरत होती है। सरकार यदि इस जिम्मेदारी को पूरी करती है तो निश्चित रूप से आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है। सरकार ने अभी जो कार्रवाई की है वह सराहनीय है, सरकार को आगे भी ध्यान रखना होगा कि ऐसा कुछ ना हो जिससे आतंकी घटनाएं पुनः बढ़ने लगें। इसके लिए सतर्कता की जरूरत है।

चिंतन-मनन

कुसंग का फल

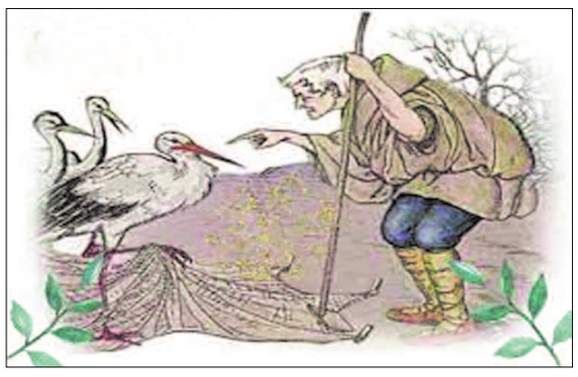

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था। सारस ने किसान से कहा, भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं। इस पर किसान बोला, ह्यह्यसुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है।

बच्चों के अधिकार: दुनिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

- योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस ह्यमेरा दिन, मेरे अधिकारह्ण विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को ह्यविश्व बाल दिवसह्ण मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में। दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आस्ट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है। बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। भारत में बच्चों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए कई कानून और योजनाएं लागू हैं, जिनमें बाल श्रम निषेध और विनियमन अधिनियम 1986, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, पॉक्सो एक्ट 2012 प्रमुख रूप से शामिल हैं। मिड-डे मील योजना और आंगनवाड़ी सेवा जैसी योजनाएं भी बच्चों के पोषण और शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी-अपनी सहूलियत के आधार पर विभिन्न देशों द्वारा भले ही अलग-अलग तारीखों पर बाल दिवस मनाया जाता है लेकिन हर जगह बाल दिवस मनाए जाने का मूल उद्देश्य यही है कि इसके जरिये लोगों को बच्चों के अधिकारों तथा सुरक्षा के लिए जागरूक किया जा सके और बच्चों से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जा सके।

जोहरान ममदानी की जीत सामाजिक धारणाओं से मुकाबला

-राम पुनियानी

मैं एक मुसलमान हूँ। मैं डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट (लोकतान्त्रिक समाजवादी) हूँ। और सबसे बुरी बात यह है कि मैं इनमें से किसी के लिए भी शर्मिंदा नहीं हूँ (चुनाव जीतने के बाद जोहरान ममदानी के भाषण से)। जोहरान ममदानी का अमरीका के प्रमुख शहरों में से एक और सही मायनों में ग्लोबल सिटी न्यूयार्क का मेयर चुना जाना कई अर्थों में बहुत अहम है। यह आम लोगों के सरोकारों की धनिकों के सरोकारों पर जीत है। यह एक तेजतर्रार और वैचारिक दृष्टि से दृढ युवा की वर्चस्वशाली निहित स्वार्थों पर जीत है। यह जीत बताती है कि अब भी हम यह उम्मीद कर सकते हैं कि मानवीय मूल्य, संकीर्ण स्वार्थों पर भारी पड़ सकते हैं। यह उन ताकतों की जीत है जो एक ऐसी दुनिया बनाना चाहते हैं जिसमें सब बराबर हों। इस जीत का हम कई कोणों से विश्लेषण कर सकते हैं। जब ममदानी ने अपना चुनाव अभियान शुरू किया था तब वे दौड़ में ही नहीं नजर आ रहे थे। मगर अंततः उन्होंने शानदार जीत हासिल की। एक प्रश्न जिस पर विचार किए जाने की जरुरत है वह यह है कि उन्हें जीत के तुरंत बाद अपने भाषण में यह क्यों कहना पड़ा कि वे मुसलमान और डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट हैं। इन दोनों पहचानों का पिछले कुछ दशकों में जबरदस्त दानवीकरण हुआ है। समाजवाद को साम्यवाद का चचेरा भाई बताया जा रहा है। साम्यवाद का फोकस आम लोगों के कल्याण पर होता है और इस विचारधारा को दक्षिणपंथी - विशेषकर अमरीका में झ नीची निगाहों से देखते हैं। साम्यवाद को एक डरावना दानव बताने की प्रवृत्ति शीतयुद्ध के दौरान अपने चरम पर थी। यह वह काल भी था जब बहुत से देश साम्राज्यवाद की गुलामी से मुक्त हो रहे थे और स्वतंत्र देश के रूप में दुनिया के नक्शे पर उभर रहे थे। रूस (तत्समय सोवियत संघ) एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा था। अमरीका पहले से ही एक बड़ी ताकत था। वह एक तरह से पुराने औपनिवेशिक राष्ट्रों का उत्तराधिकारी था। अमरीका चाहता था कि नव-स्वतंत्र देशों पर उसका दबदबा हो। सोवियत संघ इन राष्ट्रों की उनकी जडें जमाने में मदद कर रहा था। इस सिलसिले में भारत और पाकिस्तान का उदाहरण दिया जा सकता है। जहाँ सोवियत संघ ने भारत को भारी उद्योग और आधारभूत संरचना स्थापित करने में मदद की पेशकश की वहीं अमरीका, भारत को अपने यहाँ तैयार माल बेचने को आतुर था। भारत ने आधारभूत उद्योग स्थापित करने की राह चुनी जबकि पाकिस्तान, अमरीका से तैयार माल खरीदने लगा। आज भारत और पाकिस्तान की स्थिति में जो अंतर है उससे साफ है कि भारत ने सही राह चुनी थी। इसके साथ ही अमरीका के प्रचार तंत्र ने साम्यवाद के खिलाफ अभियान छेड़ दिया। उसने कम्युनिस्ट देशों के खिलाफ सैन्य और खुफिया कार्यवाहियां भी शुरू कर दीं। वियतनाम के खिलाफ युद्ध अमरीका के साम्यवाद-विरोधी कुत्सित अभियान का एक भयावह उदाहरण था। पूरी दुनिया में साम्यवाद को बदनाम किया गया। अमरीकी मीडिया ने भी इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नोएम चोमोस्की ने सहमति के निर्माण का सिद्धांत प्रतिपादित किया जिसके अनुसार अमरीकी सरकार की नीतियों के अनुरूप मीडिया ने साम्यवाद को एक शैतानी ताकत बताना शुरू कर दिया।

आज का राशिफल

मेष यह परीक्षा का समय चल रहा है। इसलिए आपको अपने कार्यों पर विशेष ध्यान देने का आज जरूरत है।

वृषभ कामकाज में व्यस्तता के बावजूद शाम तक कुछ अच्छी खबरें मिल सकती है।

मिथुन रोमांच से भरा रहने वाला है। दोपहर तक कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हो सकती है।

कर्क आज का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए खास साबित हो सकता है। आज आपके लिए बेहतर होगा।

सिंह दिन अच्छा रहने वाला है। किसी प्रोजेक्ट पर काम करना आपके लिए लाभकारी साबित होगा।

कन्या दिन व्यस्त रहने वाला है। दिल की बजाय आज आपको अपने दिमाग से काम लेने की जरूरत है।

तुला शुरुआत में शुभ समाचार मिल सकता है। ऑफिस में टीम के सहयोग से कार्यों में तेजी आएगी।

वृश्चिक उपलब्धियों से भरा रहने वाला। सुबह के समय काम का दबाव झेलना पड़ सकता है।

धनु आज आज का दिन आपके लिए बेहद शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे।

मकर आज थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। आपको अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखना होगा।

कुंभ कामों को करने से सफलता मिलेगी। ऑफिस में साथियों के सहयोग से काम समय पर पूरे होंगे।

मीन आज का दिन धीमी गति से आगे बढ़ेगा। धैर्य और निरंतर प्रयास से आपको सफलता मिलेगी।

विशेष

राष्ट्रभक्ति- देशभक्ति और मुनाफा

पिछले 10 साल में राष्ट्रभक्ति और देशभक्ति के नए-नए तथ्य सामने आ रहे हैं। चीफ ऑफ डिफेंस ने कॉरपोरेट सेक्टर से कहा है, वह मुनाफा प्रेरित अपने कारोबार में कुछ राष्ट्रवाद और देशभक्ति भी दिखाए। राष्ट्रभक्त और देशभक्त केवल कमाई और मुनाफा कमाने से नहीं बन सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाध्यक्ष एयर मार्शल एपी सिंह का भाषण सहज याद आ जाता है। जब उन्होंने कहा था, रक्षा आपूर्ति में देर से सैनिकों के लिए पैदा होने वाले जोखिम का जिक्र करते हुए,सरकार और कारपोरेट को चेताया था। प्रधानमंत्री मोदी की देशभक्ति और राष्ट्रभक्त में अदानी की जैसे पूंजीपति हैं। अब राष्ट्रभक्ति और देशभक्ति के नए पैमाने देखने को मिल रहे हैं। जो पहले तेज द्रोही थे अब वह देशभक्त हो गए हैं। जो पहले देशभक्त थे अब वह देशद्रोही हो गए हैं। इस तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं।

शतरंज का खेल

बिहार के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को 202 सीटें मिल गई हैं। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री नीतीश बाबू 10वीं बार शपथ लेने की तैयारी कर रहे हैं। जिस तरह से भाजपा ने चुनाव के दौरान जिस तरह का खेल नितीश बाबू के साथ खेला। उसके बाद नितीश बाबू अब चुन चुन कर बदला ले रहे हैं। कम सीटें होने के बाद भी, नितीश बाबू मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं। विधानसभा अध्यक्ष भी अपना बनाना चाहते हैं। वह भाजपा को कोई ऐसा मौका नहीं देना चाहते हैं। जो उनको या उनकी पार्टी को लोटस अभियान के तहत खत्म कर सके।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1751: टीपू सुल्तान का जन्म। 1780: ब्रिटेन ने हालैंड के खिलाफ जंग का ऐलान किया। 1818: साइमन बोलीवार ने वेनेजुएला की स्वतंत्रता की घोषणा की। 1873: बुडा और पेस्ट शहरों को मिलाकर हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट बनी । 1901: अमरीका द्वारा पनामा नहर के निर्माण के बारे में दूसरी संधि हुई। 1917: बोस अनुसंधान की स्थापना कलकत्ता में हुई । 1924: तुर्की में कुर्द विद्रोह दबाया गया। 1945: द्वितीय विश्व युद्ध के नाजी युद्ध अपराधियों के खिलाफ यूरेम वर्ग में मुक दमा शुरू हुआ। 1945: इंग्लैंड की राजकुमारी एलिजाबेथ और फिलिप माउंटबैटन का विवाह हुआ। 1971: चीन को राष्ट्र संघ का सदस्य बनने के लिए महासभा में दो तिहाई मत नहीं मिले। 1990: सद्दाम हुसैन ने ढाई लाख इराकी सैनिक कुवैत भेजे।

दैनिक पंचांग

20 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.00 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	08.20 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.25 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.11 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.44 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.15 बजे से
शनि	मीन में	वृष	16.55 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.53 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.06 बजे से
		सिंह	23.23 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कन्या	01.34 बजे से
		तुला	03.45 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40	से	07.11 बजे तक
रोग	07.22	से	08.51 बजे तक	चर	07.11	से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51	से	10.19 बजे तक	रोग	08.43	से	10.15 बजे तक
चर	10.19	से	11.47 बजे तक	काल	10.15	से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47	से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47	से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15	से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19	से	02.51 बजे तक
काल	02.43	से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51	से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11	से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23	से	05.55 बजे तक

गुरुवार 2025 वर्ष का 324 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अमावस्या 12.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 10.59 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 09.53 बजे को समाप्त। **करण** नाग 12.17 बजे तदनन्तर किंस्तुघ्न 01.33 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19°42' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872534 **जूलियन दिन** 2460999.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जमादि उल्लावल **तारीख** 28 **विशेष** मार्गशीर्ष अमावस्या।

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

धनबाद स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी की छत पर चढ़ दौड़ने लगा युवक, थमे ट्रेन के पहिए

धनबाद, एजेंसी। धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म दो पर खड़ी कंटेनर मालगाड़ी की छत पर एक युवक चढ़ गया। ऊपर चढ़ कर वह एक कंटेनर से दूसरे के बीच दौड़ने लगा। उसे देखकर यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया जिससे अफरा-तफरी मच गई। प्लेटफॉर्म से फुट ओवरब्रिज तक यात्रियों की भीड़ एकत्रित हो गई। ऊपर चढ़ा युवक नीचे छलांग लगाने की कोशिश करने लगे। उसे देख कर यात्री चिल्लाने लगे।शोर सुन कर आरपीएफ पहुंची और उसे नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया। कैरेज एंड वैगन विभाग के कर्मचारी सीढ़ी लेकर पहुंचे। उन्हें देखते ही ऊपर चढ़ा युवक कभी लात-घूंसे चलाने लगा तो कभी ओवरहेड तार को छूने को दौड़ने लगा।ओवरहेड तार को स्पर्श कर लेने से उसकी जान जा सकती थी। इस वजह से विद्युत कनेक्शन काट दिया गया। काफी देर तक धक्का-मुक्की के बाद उसे नीचे उतारा गया। इस घटना के कारण अमृतसर से सियालदह जानेवाली जालियांवाला बाग एक्सप्रेस को धनबाद स्टेशन पर काफी देर तक रोका गया। रेस्क्यू किया गया युवक नशे में धुत बताया गया।

गिरिडीह के महेशमुंडा चौक पर बालू लदा ट्रक पलटा, बैंक ऑफ इंडिया के पास चार दुकानें क्षतिग्रस्त

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के महेशमुंडा चौक पर मंगलवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। जामताड़ा मेन रोड पर बालू से लदा एक तेज रफ्तार ट्रक तीखे मोड़ पर पहुंचते ही बेकाबू होकर पलट गया। ट्रक सीधा सड़क किनारे स्थित दुकानों पर चढ़ गया, जिससे वहां अफरातफरी मच गई। हादसा इतना जोरदार था कि दूर तक धमाके की आवाज सुनाई दी और लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। जानकारी के मुताबिक, ट्रक अत्यधिक गति से चौक की ओर बढ़ रहा था। मोड़ पर अचानक चालक संतुलन नहीं बना पाया और ट्रक पलटता हुआ दुकानों से जा टकराया। रात का समय होने के कारण दुकानें बंद थीं, जिससे जानमाल के बड़े नुकसान से बचाव हो गया। फिर भी, हादसे के बाद चार दुकानें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। दुर्घटना में जिन दुकानों को नुकसान पहुंचा है, उनमें नकुल ठाकुर की पान दुकान, छटु ठाकुर मिष्ठान भंडार, बिरजू ठाकुर का सैलून और मंगरु होटल शामिल हैं। दुकानदारों ने बताया कि ट्रक की जोरदार टक्कर से अलमारी, काउंटर, कांच, खाद्य सामग्री, कॉस्मेटिक सामान और अन्य स्टॉक पूरी तरह बर्बाद हो गया। कई दुकानों में दीवारें टूट गईं और दुकान का ढांचा भी क्षतिग्रस्त हो गया। व्यापारियों ने अनुमान जताया कि नुकसान हजारों में नहीं बल्कि लाखों रुपए में है। ट्रक के हादसे की खबर फैलते ही आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। भीड़ बढ़ने से जाम की स्थिति बन गई। उधर, पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर ट्रक को सड़क से हटाने में जुट गई। ट्रक के पलटने से सड़क पर बालू फैल गया था, जिसे साफ करने में भी काफी वक्त लगा। पुलिस ने प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और तीखे मोड़ को दुर्घटना का मुख्य कारण बताया है। चालक भी हल्का घायल हुआ है, जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है।

कोडरमा में सड़क हादसा; युवक की मौत,बाइक पर लौट रहा था घर

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा थाना क्षेत्र के रांची-पटना एनएच-20 पर कोलटेक्स के समीप बीती रात हुए सड़क हादसे में एक 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान छोटकीबागी निवासी विक्की भुइयां, पिता राजेश भुइयां के रूप में की गई है। परिजनों के मुताबिक, विक्की दूधीमाटी चौक से अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था, इसी दौरान यह हादसा हुआ। परिजनों के अनुसार, विक्की रात में मोटरसाइकिल से घर की ओर लौट रहा था। जब वह डॉ. उर्मिला चौधरी क्लीनिक के पास स्थित कोलटेक्स के समीप पहुंचा, तभी अचानक एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना कोडरमा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी विकास पासवान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बुरी तरह घायल विक्की को तुरंत सदर अस्पताल भेजा। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर सुनते ही परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां विक्की का शव देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि विक्की दिहाड़ी मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करता था। वह घर का इकलौता कमाने वाला सदस्य था, ऐसे में उसकी मौत ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। परिजनों ने प्रशासन से अज्ञात वाहन की पहचान कर दोषी को गिरफ्तार करने तथा परिवार को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की प्रक्रिया जारी है। थाना प्रभारी का कहना है कि वाहन और उसके चालक की पहचान जल्द कर ली जाएगी।

मिर्जाचौकी-अंबापाली के बीच रेलवे क्रॉसिंग पर बनेगा आरओबी,

एयरपोर्ट के लिए भी जमीन फाइनल

साहिबगंज, एजेंसी। मिर्जाचौकी-अंबापाली के बीच स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण का प्रस्ताव है। रेलवे ने इसके लिए पहल की है। इस क्रम में रेलवे ने जिला प्रशासन से जमीन की दर के बारे में जानकारी मांगी है। इसके बाद आरओबी निर्माण पर होने वाले खर्च का आकलन किया जाएगा तथा आगे की प्रक्रिया शुरू होगी।

गौरतलब हो कि अगले कुछ वर्षों में मंडरो प्रखंड की सूरत बदलने वाली है। यहां के पहाड़पुर मौजा में मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए जमीन चिह्नित की गई है। मिर्जाचौकी थाना भी यहीं शिफ्ट होगा। कई अन्य शैक्षिक संस्थान भी यहां खुलेंगे। इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए 27 एकड़ जमीन सितंबर में ही उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को हस्तांतरित किया जा चुका है।

ऐसे में जल्द ही टेंडर आदि होने की उम्मीद है। इसी मौजा में मेडिकल कॉलेज के लिए भी 25 एकड़ जमीन चिह्नित की गई है। प्रशासनिक अधिकारियों की मानें तो अभियंत्रण कॉलेज की जमीन देखने के लिए रांची की एक टीम ने कुछ दिनों पूर्व पहाड़पुर मौजा का दौरा किया था। जमीन को उपयुक्त पाया।

इसके बाद उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग को अपनी रिपोर्ट सौंपी। वहां से स्वीकृति मिलने के बाद जमीन को हस्तांतरित कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज के लिए चिह्नित जमीन पर अभी बात आगे

नहीं बढ़ी है। उधर, मिर्जाचौकी थाना के भवन निर्माण के लिए पुलिस विभाग की ओर से जमीन की मांग की गई थी। इसके लिए तीन एकड़ जमीन चिह्नित की गई है।

चिह्नित जमीन मिर्जाचौकी-मंडरो मुख्य मार्ग के किनारे मिर्जाचौकी से करीब 10 किलोमीटर की दूरी है। यह जमीन सरकारी है। इस वजह से उसके अधिग्रहण में सरकार को पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मंडरो प्रखंड आदिवासी बहुल है तथा जिले के पिछड़े प्रखंडों में इसकी गिनती होती है। मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज खुलने से इस क्षेत्र का विकास काफी तेज गति से होगा।

मंडरो में ही विश्व प्रसिद्ध फासिल्स पार्क का निर्माण कुछ साल पहले कराया गया। हालांकि, आवागमन की सुविधा ठीक न होने से अब तक वहां लोगों का जाना आना कम है। जिले में मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज के लिए काफी समय से जमीन की तलाश की जा रही थी।

साहिबगंजः सदर प्रखंड के हाजीपुर भिट्ठा में एयरपोर्ट के लिए करीब 494 एकड़ जमीन को चिह्नित किया गया है। इनमें कुछ भूमि रैयती तो कुछ सरकारी है। ऐसे में रैयती भूमि के अधिग्रहण पर करीब चार सौ रुपये खर्च होंगे। इसका विस्तृत विवरण सरकार को भेज दिया गया है। अब एयरपोर्ट आथोरिटी आफ इंडिया की टीम जमीन का जायजा लेगी जिसके बाद आगे का निर्णय लिया जाएगा।

जेएससीए के बाहर छह जगहों पर गाड़ी पार्क कर सकेंगे क्रिकेट प्रेमी

रांची, एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 30 नवंबर को वनडे मैच खेला जाएगा। रांची में होने वाले इस वनडे मैच को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। मैच देखने के लिए पहुंचने वाले क्रिकेट प्रेमियों को परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। पार्किंग को लेकर हर बार जो किचकिच होती थी, इसे दूर करने के लिए इस बार एक की जगह छह पार्किंग की व्यवस्था होगी। एचईसी ने इसके लिए 6 मैदानों को चिह्नित भी कर लिया है।

इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। चिह्नित 6 मैदान को टेंडर के माध्यम से एचईसी एक दिन के लिए पार्किंग के लिए देगा। एचईसी अधिकारियों की मानें तो फिलहाल टेंडर प्रक्रियाधीन है। एक से दो दिनों में टेंडर फाइनल कर लिया जाएगा। पार्किंग शुल्क में ठेकेदार की मनमानी को रोकने के लिए भी इस बार विशेष प्लान तैयार किया गया है। टेंडर में ही कार व बाइक के लिए अलग-अलग पार्किंग शुल्क निर्धारित होगा।

9 अक्टूबर 2022 को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए क्रिकेट मैच देखने के लिए पहुंचने वाले वाहन सवारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था। पार्किंग स्थल पर खड़े युवकों द्वारा जेएससीए की पर्ची दिखाकर अवैध वसूली करने का आरोप लगा था। पार्किंग के नाम पर मनमाना पैसा लेते हुए लाखों रुपए की अवैध वसूली की गई थी। मैच देखने के लिए पहुंचने वाले बाइक सवार से 100-200 रुपया जबकि कार सवार से 200-400 रुपए तक लिए गए थे। इस संबंध में जेएससीए ने स्टेडियम के बाहर का मामला होने की बात कहते हुए पल्ला झाड़ लिया था। क्रिकेट मैच के लिए टिकट की बिक्री 25 या 26 नवंबर से शुरू होगी। क्रिकेट प्रेमी स्टेडियम के पश्चिमी गेट के पास बने काउंटर से ऑफलाइन टिकट खरीद सकेंगे।

गड़बड़ बिल आने पर विभाग को वास्तविक आंकड़ा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया

गुमला, एजेंसी। गुमला डीसी प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए आम नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। डीसी ने सभी आवेदनों को धैर्यपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम करम टोली, गुमला के रिकी किरपोट्टा ने बताया कि सन्तमुनी देवी के नाम से दर्ज उपभोक्ता संख्या में अचानक 79,163 रुपए का विद्युत बिल प्राप्त हुआ है, जो बिलिंग त्रुटि का मामला प्रतीत होता है। डीसी ने विद्युत विभाग को बिल की जांच कर वास्तविक आंकड़ा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नवडीहा, घाघरा के नीलांबर प्रकाश भगत ने अपनी पैतृक भूमि के एक हिस्से को अपनी कंपनी निलंबर एग्री ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड में पूंजी अंशदान के रूप में शामिल किए जाने के लिए अनुमति का अनुरोध किया। उपायुक्त ने राजस्व व निबंधन संबंधित अधिकारियों को आवेदन की विधिसम्मत जांच कर आगे की आवश्यक प्रक्रिया सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कोबजा टेढ़ा चुआं के कलेश तुरी, शंकर तुरी व कमलेश तुरी ने बताया कि उन्हें प्राप्त सरकारी आवास के निर्माण कार्य में स्थानीय विवाद के कारण लगातार बाधा उत्पन्न की जा रही है, जबकि उनके पूर्वज उक्त भूमि पर लंबे समय से रह रहे हैं।

उपायुक्त ने अंचल अधिकारी रायडीह, इसके संबंधित जांच के निर्देश दिए। भरनों फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा गुमला शहर में मक्का प्रसंस्कृत उत्पादों के विपणन के लिए एक आउटलेट की आवश्यकता व्यक्त की गई।

हजारीबाग में साइबर गैंग का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई के दौरान 19 एटीएम कार्ड, 11 स्मार्टफोन और 1.50 लाख रुपए नगद बरामद किए गए हैं। एसपी अंजनी अंजन ने सोमवार को बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग साइबर ठगी की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आधार पर सदर के अपर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

संदिग्ध रूप से खड़ी दो कारों को रोका

टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ग्राम डुमर के सरौनी खुर्द जंगल के पास संदिग्ध रूप से खड़ी दो कारों को रोका। कारों की तलाशी के दौरान राजू वर्मा और शिवा कुमार के पास से 19 एटीएम कार्ड, बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज, 11 स्मार्टफोन और 1.50 लाख रुपए नगद मिले। प्राथमिक पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे ग्रामीणों को आसान लाभ का लालच देकर उनसे एटीएम कार्ड और बैंक संबंधी दस्तावेज हासिल करते थे। इसके बाद साइबर गिरोह द्वारा भेजी गई ठगी की रकम को विभिन्न एटीएम से निकालकर कमीशन के आधार पर अपने मास्टर माइंड तक पहुंचाते थे।

दोनों लंबे समय से विभिन्न जिलों में सक्रिय थे

राजू और शिवा से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई का विस्तार करते हुए मो. जाकिर अंसारी और तस्लीम अंसारी को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये दोनों पेशेवर साइबर अपराधी हैं और लंबे समय से विभिन्न जिलों में सक्रिय थे। गिरफ्तार आरोपियों में एक गिरिडीह, एक देवघर और दो हजारीबाग जिले के निवासी बताए जा रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि यह गिरोह अंतर-जिला स्तर पर काम कर रहा था।

एसपी ने कहा कि यह कार्रवाई साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि जिले में साइबर ठगी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे अपराधों में शामिल लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

अब मंत्री डॉ. इरफान अंसारी नियमित रूप से ओपीडी में बैठेंगे

रांची, एजेंसी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने मंगलवार को बिना पूर्व सूचना रिम्स अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर अपनी गंभीरता स्पष्ट कर दी। निरीक्षण के दौरान वे सीधे मेडिसिन विभाग के ओपीडी पहुंचे और वहां बैठकर कई मरीजों की जांच की। मरीजों का हाल जानने के साथ उन्होंने उन्हें उचित दवाइयों व उपचार संबंधी सलाह भी दी। अचानक मंत्री को अपने बीच पाकर मरीजों और उनके परिजनों में उत्साह देखा गया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अस्पताल में मौजूद कई खामियों को बारीकी से परखा। दवाओं की कमी, कफ सिरप की अनुपलब्धता, व्हीलचेयर की कमी, डॉक्टरों की संख्या घटने, स्वच्छता व्यवस्था में ढिलाई सहित कई विषयों पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार भी उनके साथ मौजूद थे। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि इन सभी कमियों को जल्द से जल्द ठीक किया जाए और मरीजों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री ने एलान किया कि अब वे न केवल रांची बल्कि झारखंड के हर जिले के सरकारी अस्पतालों में नियमित रूप से ओपीडी में बैठेंगे। उन्होंने कहा कि मरीजों से प्रत्यक्ष रूप से मिलकर उनकी समस्याओं को समझना और अस्पतालों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना ही उनका उद्देश्य है। इसी दौरान वे खुद अस्पतालों के लिए नया रोस्टर तैयार करेंगे ताकि चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत और अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

गिरिडीह में हाथियों ने रौंद डाली धान की फसल, तेलोडीह पंचायत से जमुआ रोड तक हाथियों का उत्पात

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह में मंगलवार देर रात जंगली हाथियों का एक बड़ा झुंड अचानक आबादी वाले इलाकों में सक्रिय हो गया। रात करीब 11 बजे से लेकर तड़के तक तेलोडीह पंचायत, खुट्टा मोहल्ला और जमुआ मुख्य मार्ग के आसपास हाथियों की लगातार हलचल बनी रही। 20 से 25 की संख्या में मौजूद इन हाथियों ने कई जगहों पर तबाही मचाई, जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई।

हाथियों का झुंड सबसे पहले पंचायत सचिवालय के पास देखा गया, जहां से वे खुट्टा मस्जिद के बगल वाली गली में पहुंच गए। अचानक इस मोहल्ले में प्रवेश करते ही उन्होंने एक बाउंड्री वॉल तोड़ दिया। इसके बाद पूरा झुंड खेतों की ओर बढ़ गया, जहां धान की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों का कहना है कि हाथी रातभर खेतों में घूमते रहे, जिससे कई किसानों की फसलें पूरी तरह बर्बाद हो गईं। गांव में हाथियों के मूवमेंट की वजह

से स्थिति इतनी भयावह हो गई कि लोग अपने घरों से बाहर ही नहीं निकल पा रहे थे। कई ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के जोरदार आवाज और खेतों में तोड़फोड़ की आवाज पूरी रात सुनाई देती रही।

हाथियों के गांव में आने की जानकारी मिलते ही तेलोडीह पंचायत के मुखिया शब्बीर आलम सहित ग्रामीण एक्टिव हो गए। उन्होंने रात में ही सभी मोहल्लों की मस्जिदों के माइक से घोषणा कर ग्रामीणों को घरों में रहने और सुरक्षित रहने की अपील की। इसके बाद ग्रामीणों ने हाथियों को सुरक्षित भगाने का प्रयास किया। मौके पर वन विभाग की टीम भी मौजूद रही।

इसी बीच, देर रात गिरिडीह-जमुआ मुख्य मार्ग पर भी हाथियों का बड़ा झुंड देखा गया। घोरेंजो मेन रोड पार करते समय बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए, लेकिन भीड़ के बावजूद हाथियों ने किसी पर हमला नहीं किया। झुंड डुमरडीहा से होता हुआ बेंगाबाद की ओर निकल गया।

झारखंड विधानसभा नियुक्ति घोटाला: 'राजनीतिक लड़ाइयों में मशीनरी क्यों लगाते हैं?'

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा सचिवालय में नियुक्तियों और पदोन्नति में अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए प्रारंभिक जांच शुरू करने की अनुमति मांगने वाली सीबीआई की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कड़े शब्दों में पूछा कि केंद्रीय एजेंसी राजनीतिक लड़ाइयों के लिए मशीनरी का इस्तेमाल क्यों कर रही है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले वर्ष 14 नवंबर को झारखंड हाईकोर्ट के 23 सितंबर 2024 के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें सीबीआई को मामले की जांच करने का निर्देश दिया गया था। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के स्थान पर अब मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ सीबीआई की अंतरिम याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने सीबीआई से कहा कि आप अपनी राजनीतिक लड़ाइयों के लिए मशीनरी का इस्तेमाल क्यों करते हैं? हमने आपको कई बार बताया है। इसके साथ ही अदालत ने एजेंसी की याचिका खारिज कर दी। झारखंड विधानसभा सचिवालय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि जब भी कोई मामला आता है, सीबीआई उससे पहले ही अदालत में

मौजूद रहती है।

23 सितंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी थी : सीबीआई की ओर से उपस्थित अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने इसका खंडन करते हुए कहा कि इस मामले में ऐसा नहीं है। लेकिन सिब्बल ने दलील दी कि ऐसा कई मामलों में, विशेषकर पश्चिम बंगाल में, देखा गया है। राजू ने कहा कि सीबीआई तभी उपस्थित होती है जब किसी अपराध की आशंका होती है। इससे पहले भी जस्टिस गवई की पीठ ने हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाई थी, जिसमें नियुक्तियों और पदोन्नतियों में कथित अनियमितताओं की जांच का निर्देश दिया गया था। झारखंड विधानसभा सचिवालय और अन्य पक्षों ने हाईकोर्ट के 23 सितंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी थी। 14 नवंबर 2024 के बाद इस मामले में कोई प्रभावी सुनवाई नहीं हुई थी।

अधिवक्ता तुलिका मुखर्जी के माध्यम से दायर एक याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट ने बिना किसी आपराधिक मामले या संज्ञेय अपराध के सीबीआई को जांच का आदेश दे दिया, जबकि यह पूरा मामला सिविल प्रकृति का है और इसमें सेवा संबंधी जटिल प्रश्न शामिल हैं।

याचिका के अनुसार, इस मामले में न कोई एफआईआर है और न ही कोई संज्ञेय अपराध बनता है। इसमें कहा गया कि पैसे के लेन-देन का कोई सबूत नहीं, धोखाधड़ी का कोई प्रमाण नहीं, कोई आपराधिकता स्थापित नहीं होती। याचिका में बताया गया कि झारखंड विधानसभा सचिवालय (भर्ती एवं सेवा शर्त नियम, 2003) 10 मार्च 2003 को अस्तित्व में आया, जिसके बाद सचिवालय और विभिन्न समितियों के कामकाज को देखते हुए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई। विज्ञापन, एडमिट कार्ड और परीक्षा/साक्षात्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 2003-2007 के बीच नियुक्तियां और पदोन्नतियां की गईं।

30 बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट सौंपी : इसके बाद कुछ लोगों की कथित बातचीत की अनवेरिफाइड ऑडियो रिकॉर्डिंग एक सीडी में बदलकर स्पीकर को सौंपी गई। अक्टूबर 2007 में पांच सदस्यीय समिति बनाकर मामले की जांच कराई गई, जिसकी रिपोर्ट अगस्त 2008 में स्पीकर के सामने पेश हुई, लेकिन समिति के दो सदस्यों ने इसका विरोध किया। जुलाई 2014 में कैबिनेट सचिवालय एवं सतर्कता विभाग ने झारखंड हाईकोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश को इस पूरी भर्ती-पदोन्नति प्रक्रिया की जांच के लिए नियुक्त किया। इस आयोग ने 12 जुलाई 2018 को राज्यपाल को 30 बिंदुओं पर अपनी रिपोर्ट सौंपी।

याचिका में कहा गया कि आयोग की रिपोर्ट आयोग जांच अधिनियम, 1952 के अनुसार राज्य सरकार को कभी भेजी ही नहीं गई। 10 सितंबर 2018 को राज्यपाल ने स्पीकर को रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा, जिसके बाद 26 अगस्त 2019 को दो अधिकारियों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की मंजूरी दी गई। अगस्त 2022 में कानूनी व्याख्या और तथ्यों की जटिलता को देखते हुए एक और आयोग गठित करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट ने यह नहीं देखा कि विधानसभा सचिवालय इस रिपोर्ट और एटीआर के आधार पर कार्रवाई कर रहा था। यह याचिका सार्वजनिक रोजगार में कथित अनियमितताओं से जुड़े मामले पर दायर की गई थी।

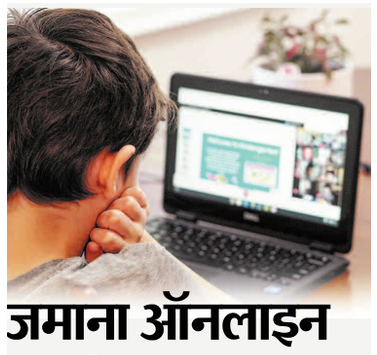

जमाना ऑनलाइन

लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुडक़र पढना चाहते हैं, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एंव सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री में अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फोरेंसिक साइंस प्रति युवाओं का बढ़ा रुझान

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कॅरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वनात्मक है। इस क्षेत्र में युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे वह रोमांचकारी और आह्वनात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस साइंस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा में विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवी उत्तीर्ण हो तो इस शाखा में प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र में पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संख्या से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर में है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र में आरंभिक दौर में 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते हैं लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है-

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

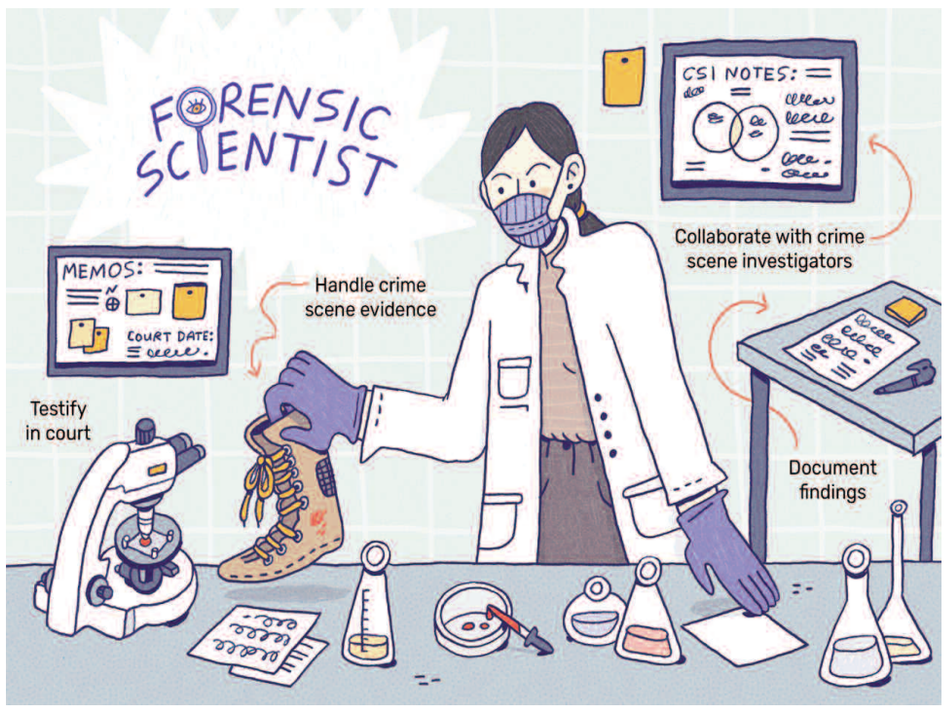

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवी सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं। आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है।

आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्ययसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान होस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पाश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रियां पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे में इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगो को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेंगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रोत हैं, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते है। इससे एक तो एकित्रत अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरिक्षत पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाडियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे ङ्क भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे ङ्क टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढक्कर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिडक़ाव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पाविध हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

रूस से कच्चे तेल की लोडिंग 66 प्रतिशत गिरी, बिना मंजिल के घूम रहे आधे टैंकर

● अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस से भारत को तेल की लोड़िंग में इस महीने भारी गिरावट आई है। यह गिरावट करीब दो-तिहाई तक रही। अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन प्रतिबंधों के कारण भारतीय रिफाइनरी कंपनियां अब रूस से तेल खरीदने में ज्यादा सावधानी बरत रही हैं। भारत के अलावा चीन और तुर्की ने भी रूस से कच्चे तेल की खरीदारी घटा दी है। रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा चीन, भारत और तुर्की को ही जाता है। ईटी की एक रिपोर्ट में डेटा एनालिटिक्स कंपनी कप्लर के हवाले से बताया गया है कि 1 से 17 नवंबर के बीच भारत आने वाले जहाजों में रोजाना औसतन 672,000 बैरल रूसी कच्चा तेल लोड किया गया। यह अक्टूबर में 1.88 मिलियन के मुकाबले काफी कम है। रूस से भारत तक तेल पहुंचने में लगभग एक महीना लगता है, इसलिए नवंबर में लोड किया गया ज्यादातर तेल दिसंबर में ही पहुंचेगा।

बिना मंजिल के घूम रहे जहाज: यह अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की समय सीमा 21 नवंबर के बाद होगा। इस समय सीमा को पूरा करने की जल्दी के कारण भारतीय रिफाइनरियों ने नए ऑर्डर कम कर दिए हैं। हालांकि वे पहले से तय किए गए तेल को जल्दी मंगवा रहे हैं। इसी वजह से 1 से 17 नवंबर के बीच रूसी तेल का आयात अक्टूबर के औसत से 16 प्रतिशत बढ़कर 1.88 मिलियन बैरल हो गया। रितोलिया का मानना है कि आने वाले समय में खासकर दिसंबर और जनवरी में भारत को रूसी कच्चे तेल की सप्लाई में काफी गिरावट देखने को मिलेगी। पिछले महीने अमेरिका ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए थे। ये दोनों कंपनियां मिलकर रोजाना लगभग 3 मिलियन बैरल तेल का निर्यात करती हैं। इसमें से लगभग एक तिहाई भारत को जाता है। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है।

जहाज-से-जहाज में ट्रांसफर

प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, हाल की टैंकर गतिविधियों से रूसी कच्चे तेल के व्यापार के व्यवहार में एक बड़ा बदलाव दिख रहा है। भारत और चीन के बीच यात्रा के दौरान तेल के डेस्टिनेशन बदल रहे हैं और जहाज-से-जहाज ट्रांसफर असामान्य जगहों पर हो रहे हैं, जैसे मुंबई के तट के पास। ये जगहें सिंगापुर स्ट्रेट के पास की सामान्य जगहों से काफी दूर हैं। ये बदलाव रूसी निर्यातकों द्वारा पश्चिमी प्रतिबंधों से बचने के लिए अपनाए जा रहे नए लॉजिस्टिकल तरीकों को दर्शाते हैं। रूस की कुल तेल लोडिंग भी नवंबर में 28 प्रतिशत घटकर 2.78 मिलियन रह गई, जो पहले से कम है। खास बात यह है कि रूस से लोड किए गए लगभग आधे टैंकर बिना किसी तय मंजिल के यात्रा कर रहे हैं। इससे पता चलता है कि रूस के निर्यातक खरीदार ढूंढने और प्रतिबंधों से बचने के रास्ते तलाश रहे हैं। चीन और तुर्की जैसे रूस के दूसरे बड़े खरीदारों को भी पिछले महीने तेल की सप्लाई कम हुई है।

फोटो और क्यूआर कोड वाला आधार जारी करने पर विचार कर रहा यूआईडीएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने लोगों की तस्वीर और क्यूआर कोड के साथ आधार कार्ड जारी करने पर विचार कर रहा है। इस कदम का उद्देश्य लोगों के डाटा का दुरुपयोग रोकने और वर्तमान आधार कानून के उल्लंघन में ऑफलाइन सत्यापन प्रथाओं को खत्म करना है। आधार अधिनियम ऑफलाइन सत्यापन के मामले में किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी व्यक्ति की आधार संख्या या बायोमेट्रिक जानकारी के संग्रह, उपयोग या भंडारण पर प्रतिबंध लगाता है। आधार के लिए नए एप पर एक हुए ऑनलाइन सम्मेलन में, यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार ने कहा, प्राधिकरण दिसंबर में एक नया नियम लाने पर विचार कर रहा है ताकि होटल, इवेंट ऑर्गनाइजर्स की ओर से ऑफलाइन सत्यापन को हतोत्साहित किया जा सके। व्यक्तियों की गोपनीयता बनाए रखते हुए आधार का उपयोग करके आयु सत्यापन प्रक्रिया को बढ़ाया जा सके। कुमार ने कहा, इस बात पर एक सोची-समझी प्रक्रिया चल रही है कि कार्ड पर कोई भी विवरण क्यों होना चाहिए। इसमें सिर्फ एक तस्वीर और एक क्यूआर कोड होना चाहिए। अगर हम छपाई करते रहेंगे, तो लोग छपी हुई चीजें ही लेते रहेंगे। जो लोग इसका दुरुपयोग करना जानते हैं, वे इसका दुरुपयोग करते रहेंगे। कुमार ने कहा, आधार कार्ड की प्रति का इस्तेमाल कर ऑफलाइन सत्यापन को खत्म करने के लिए कानून पर काम चल रहा है, जिसे एक दिसंबर को आधार प्राधिकरण के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा, आधार को कभी भी दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इसे सिर्फ आधार संख्या से प्रमाणित किया जाना चाहिए या क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके सत्यापित किया जाना चाहिए।

एआई पर बोले सुंदर पिचाई, बुलबुला फटने से सभी कंपनियों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के प्रमुख सुंदर पिचाई ने चेतावनी दी है कि अगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बुलबुला फटता है तो इससे सभी कंपनियां प्रभावित होंगी। उन्होंने स्वीकार किया कि इस साल तकनीकी उछाल को बढ़ावा देने वाले एआई निवेश के पीछे अतार्किकता मौजूद थी। न्यूज एजेंसियों के मुताबिक एक इंटरव्यू में पिचाई से पूछा गया कि क्या गूगल एआई बुलबुले के फटने से प्रभावित होगा, इस पर उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कोई भी कंपनी इससे अछूती नहीं रहेगी, हमारे सहित। उन्होंने विशाल ऊर्जा आवश्यकताओं की चेतावनी दी, जो पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वैश्विक बिजली खपत का 1.5 प्रतिशत थी।

सीमेंट परिवहन हुआ सस्ता, रेलवे की पहल से मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर में सीमेंट परिवहन लागत कम करने के उद्देश्य से एक बड़े सुधार की घोषणा की। सरकार का मानना है कि इस कदम से घर बना रहे मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधी राहत पहुंचेगी।

मंत्री ने बल्क सीमेंट टर्मिनल पॉलिसी और कंटेनर रेट रेशनलाइजेशन कार्यक्रम के बाद बताया कि रेलवे ने बल्क सीमेंट परिवहन के लिए 90 पैसे प्रति जीटीकेएम की एकसमान दर लागू की है। जीटीकेएम का अर्थ है सकल टन-किलोमीटर। यह रेलवे और माल ढुलाई उद्योग में परिवहन शुल्क की गणना के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक मानक उपाय है। 1 जीटीकेएम, 1 किलोमीटर के लिए 1 सकल टन भार परिवहन के बराबर है। जब रेलवे 90 पैसे प्रति जीटीकेएम दर बताता है, तो इसका मतलब है कि एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर परिवहन किए गए प्रत्येक सकल टन सीमेंट के लिए शुल्क 0.90 रुपये है। इससे माल ढुलाई शुल्क को मानकीकृत करने और लागत की गणना को सरल और अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलती है। इस समस्या के समाधान के लिए रेलवे ने विशेष रूप से भारी मात्रा में सीमेंट की ढुलाई के लिए डिजाइन किया गया एक विशेष टैंक कंटेनर विकसित किया है। वैष्णव ने कहा कि इस टैंक कंटेनर को सीमेंट फैक्ट्री में भरा जा सकता है। भरने के बाद, इसे देश भर में जहां भी खपत की आवश्यकता हो, वहां ले जाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से सीमेंट आपूर्ति श्रृंखला में शामिल लॉजिस्टिक्स लागत में काफी कमी आएगी। वैष्णव ने बताया कि एक समान दर से सीमेंट निर्माताओं को सीमेंट संयंत्रों के स्थान, परिवहन मार्गों और अनलोडिंग टर्मिनलों के बारे में अधिक स्पष्टता मिलेगी। इससे बेहतर योजना बनाने, सीमेंट की बेहतर आवाजाही और उपभोक्ताओं के लिए कम लागत की उम्मीद है।

गए थे घूमने, मिल गई रानी... ऐसे बदली इंजीनियर की कहानी

अब 1.5 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के रहने वाले मैकेनिकल इंजीनियर अद्वैत कुलकर्णी की जिंदगी एक ट्रिप ने हमेशा हमेशा के लिए बदल दी। 2017 में वह त्रिपुरा में छुट्टी बिताने गए थे। वहां के विशाल अनानास (पाइनऐपल) के बागानों को देखकर वह इतने मंत्रमुग्ध हुए कि उन्होंने त्रिपुरा में उद्यमिता के अवसरों को समझने के लिए बार-बार जाना शुरू कर दिया। 2017 से 2020 के बीच उन्होंने त्रिपुरा के कई गांवों का दौरा किया। अद्वैत ने पाया कि त्रिपुरा के अनानास न केवल सस्ते और ज्यादा रसीले थे। अलबत्ता, उनका उत्पादन भी दूसरे राज्यों की तुलना में बड़े पैमाने पर होता था। यह इतना ज्यादा था कि बर्बादी तक हो रही थी। त्रिपुरा की क्वीन अनानास किस्म को 2015 में जीआई टैग भी मिला था और यह राज्य का आधिकारिक फल है। अपने पिता से प्रेरणा और एक जानकार दोस्त से तकनीकी मार्गदर्शन लेकर अद्वैत ने 2021 में कुमारघाट में बंद पड़ी एक यूनिट को दोबारा जिंदा किया। ननसेई फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स प्रोडक्ट्स इंडस्ट्री की स्थापना की। इस इकाई से अनानास के डिब्बाबंद स्लाइस का उत्पादन शुरू हुआ। महज तीन सालों में अद्वैत की कंपनी ने 1.5 करोड़ रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर लिया। आइए, यहां अद्वैत कुलकर्णी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। लेकिन, वहां प्रोसेसिंग इकाइयों की कमी थी। अद्वैत ने अपनी यूनिट स्थापित करने का लक्ष्य स्थानीय किसानों को सुनिश्चित आय प्रदान करना और खाद्य बर्बादी को कम करना रखा।

रोकी बर्बादी, पहुंचाई खुशहाली

हॉलीडे ट्रिप पर आया आइडिया

कोल्हापुर के मैकेनिकल इंजीनियर अद्वैत कुलकर्णी के लिए त्रिपुरा की यात्रा 2017 में सिर्फ एक हॉलिडे नहीं रही। इसके बजाय यह एक व्यावसायिक अवसर बन गई। त्रिपुरा के विशाल अनानास बागानों और वहां के सस्ते, रसीले फलों से प्रभावित होकर अद्वैत ने 2017 से 2020 के बीच लगातार राज्य का दौरा किया। उन्होंने पाया कि त्रिपुरा में अनानास की खेती बड़े पैमाने पर होती है। लेकिन, परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण किसानों के उत्पाद की भारी बर्बादी होती है। अनानास की क्वीन किस्म ने उन्हें विशेष रूप से आकर्षित किया। इसे 2015 में जीआई टैग मिला था।

परिवार में भी कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक तो होती रहती है

नई दिल्ली, एजेंसी। बाकी दुनिया की तरह अमेरिका भी भारत के साथ मजबूत रिश्ता साझा करता है। यह बात केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आईएसीसी के 22वें भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखता है। हम दोनों देशों के बीच व्यापार और वाणिज्य का विस्तार करने के लिए समान रूप से प्रतिबद्ध हैं।

गोयल ने कहा कि भारत-अमेरिकी साझेदारी की कहानी को दो विश्वसनीय साझेदारों के रूप में वर्णित किया जा सकता है, जो न केवल दोनों देशों की, बल्कि पूरे विश्व की साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने कुछ दिन पहले ही एक बड़े एलपीजी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत हम हर साल लंबी अवधि के लिए 2.2 मिलियन टन एलपीजी आयात किया जाएगा। दोनों देशों के संबंधों में नहीं है कोई दरार उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि संबंधों में कोई दरार है। यह दोनों देशों, अमेरिका और भारत, के लिए बहुत महत्वपूर्ण और रणनीतिक बना हुआ है। हमने अभी-अभी अमेरिका के युद्ध विभाग और भारतीय रक्षा मंत्रालय के साथ 10 साल के रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि परिवार में भी कभी-कभी थोड़ी बहुत नोक-झोंक तो होती रहती है। बातचीत एक प्रक्रिया है और एक राष्ट्र के रूप में भारत को अपने हितों, अपने हितधारकों, व्यवसायों के हितों की रक्षा करनी है और इसे अपनी संवेदनशीलताओं, किसानों, मछुआरों और लघु उद्योगों के साथ संतुलित करना है। जब हम सही संतुलन बना लेंगे, तो आप निश्चिंत रह सकते हैं कि हमें इस मामले में अच्छे परिणाम भी मिलेंगे, लेकिन दोस्ती बहुत स्थायी है और साझेदारी लगातार बढ़ रही है।

एनवीडिया-बिटकॉइन की कीमतों में उछाल से चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। एशिया और यूरोप में हुई बिकवाली का असर वॉल स्ट्रीट पर भी दिखा। दिन की शुरुआत में स्×क्क 500 में 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। बाद में अधिकांश नुकसान की भरपाई हो गई और देर शाम केवल 0.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। डाउ जोन्स का सूचकांक 0.6 प्रतिशत गिरा, जबकि नैस्डैक ने 0.5 प्रतिशत गोते लगाए। अमेरिका के अलावा एशिया और यूरोप के बाजारों में भी भारी गिरावट देखी गई। जापान का निक्केई 3.2 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.3 प्रतिशत गिरा।

खबरों के मुताबिक मंगलवार को शेयर बाजार में सबसे बड़ा दबाव कंप्यूटर चिप्स बनाने वाली कंपनी- एनवीडिया के शेयर की कीमतों के कारण आया। शुरुआत में 1.4 प्रतिशत गिरावट के बाद सुबह इसमें 3.7 प्रतिशत तक गिरावट भी देखी गई। इस महीने कुल गिरावट 10 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। आर्थिक मामलों और शेयर बाजार से जुड़े आंकड़ों के जानकार इसे वॉल स्ट्रीट की भाषा में करेक्शन बता रहे हैं। एनवीडिया के उतार-चढ़ाव का सीधा असर पूरे बाजार पर पड़ा, क्योंकि विशाल आकार के कारण ये कंपनी स्×क्क 500 का सबसे प्रभावशाली स्टॉक है।ढ्ढ चिप्स की तेजी से बढ़ रही मांग के कारण हाल ही में कंपनी का बाजार मूल्य 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

इस साल अप्रैल के बाद से अमेरिकी शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी गई थी। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से लगाए गए टैरिफों के बाद निवेशकों के उत्साह के बावजूद आलोचकों का मानना था कि यह तेजी बहुत असामान्य और असंतुलित रही है। विशेषकर एआई सेक्टर में एनवीडिया पिछले पांच साल में चार बार अपना मूल्य दोगुना कर चुकी है। एक अन्य कंपनी प्लैनटीर ने इस साल केवल छह महीनों में मूल्य दोगुना कर लिया।

बाजार के मौजूदा हाल को लेकर बैंक ऑफ अमेरिका की तरफ से कराए गए सर्वे के अनुसार, बड़े निवेशकों का मानना है कि शेयर बाजार आने वाले दिनों में तेजी से बढ़ सकता है। हालांकि, 45 प्रतिशत निवेशकढ्ढ बबल को सबसे बड़ा संभावित जोखिम मानते हैं। चिंता यह भी है कि कंपनियांढ्ढ और डेटा सेंटर्स में अत्यधिक निवेश कर रही हैं। ऐसी आशंका है कि भविष्य में इनसे इसी तरह के लाभ की उम्मीद नहीं की जा सकती। एनवीडिया के अलावा अन्य हाई-फ्लाइंग सेक्टर भी मंगलवार के कारोबार के दौरान कमजोर दिखे। बिटकॉइन की कीमत सुबह 90,000 डॉलर से नीचे गई, जबकि पिछले महीने यह 125,000 डॉलर के करीब थी। बाद में यह थोड़ा बढ़कर 93,000 डॉलर के ऊपर पहुंची। अब बाजार की नजर बुधवार को आने वाली एनवीडिया की तिमाही रिपोर्ट पर है। इससे शेयरों की कीमत में गिरावट पर ब्रेक लग सकती है। कीमतों में उछाल की संभावना भी बरकरार है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

गोल्ड 3900 रुपये तो सिल्वर 7800 सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से अगले महीने ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद कम होने के बीच वैश्विक स्तर पर सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सोने की कीमत 3,900 रुपये की गिरावट के साथ 1,25,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाली इस बहुमूल्य धातु का भाव 3,900 रुपए की गिरावट के साथ 1,25,200 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं चांदी की कीमतें भी दबाव में रहीं और इसकी कीमत 7,800 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। सोने और चांदी में भारी बिकवाली देखी गई, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह जारी होने वाले अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की नीति के संकेत की प्रतीक्षा कर रहे हैं, व अमेरिकी ब्याज दर में कटौती की उम्मीदें कम हो रही हैं। ऑग्मोंट की शोध प्रमुख रेनिशा चैनानी ने कहा कि पिछले छह सप्ताहों से अमेरिकी आंकड़ों की अनुपस्थिति और कई फेड अधिकारियों द्वारा की गई आक्रामक टिप्पणियों के कारण दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है। विदेशी बाजारों में, हाजिर सोना लगातार चौथे सत्र में गिरावट के साथ 4,042.32 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। पिछले चार सत्रों में, यह कीमती धातु 152.82 डॉलर या 3.64 प्रतिशत गिर चुकी है, जो 12 नवंबर को 4,195.14 डॉलर प्रति औंस पर दर्ज की गई थी। हाजिर चांदी की कीमत

तीन दिन की गिरावट के बाद 0.57 प्रतिशत बढ़कर 50.49 डॉलर प्रति औंस हो गई। मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि फेडरल रिजर्व (फेड) के अधिकारियों की तीखी टिप्पणियों के बीच फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती को लेकर संदेह बने रहने से हाजिर सोने में लगातार चौथे दिन गिरावट जारी रही। दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की संभावना घटकर 41 प्रतिशत रह गई है, जो 5 नवंबर को 63 प्रतिशत थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज) सौमिल गांधी ने कहा कि बाजार प्रतिभागी फेडरल रिजर्व की बुधवार को जारी होने वाली हालिया बैठक के विवरण पर बारीकी से नजर रखेंगे व अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती के बारे में जानकारी के लिए गुरुवार को जारी होने वाली सितंबर माह की रोजगार रिपोर्ट पर भी नजर रखेंगे।

इस वित्त वर्ष जीडीपी के 1.7 प्रतिशत पर पहुंच सकता है चालू खाता घाटा

उच्च टैरिफ और महंगे आयात का दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। टैरिफ दबाव के कारण देश का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर जीडीपी के 1.7 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। बैंक ने पहले 1.2 प्रतिशत का अनुमान लगाया था।

चालू खाता घाटा तब होता है जब किसी देश के वस्तुओं, सेवाओं और पूंजी के आयात का कुल मूल्य उसके निर्यात और अन्य आय के कुल मूल्य से अधिक होता है। यह दर्शाता है कि देश में आने वाले धन की तुलना में देश से बाहर जाने वाला धन अधिक है। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि त्योहारी मांग के कारण व्यापार घाटे पर कुछ दबाव पड़ने की संभावना है। हालांकि, वस्तुओं, खासकर तेल की कम कीमतें, समग्र प्रभाव को सीमित करने में मदद कर सकती हैं। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भारत के लिए सकारात्मक बैंक ने कहा कि तेल की कम कीमतों से

भारत के बाहरी संतुलन को मदद मिल सकती है, क्योंकि देश का चालू खाता कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर प्रति बैरल के उतार-चढ़ाव से भारत के सालाना करंट अकाउंट बैलेंस पर लगभग 15 अरब डॉलर का असर पड़ता है। यानी तेल की कीमतें कम होने पर भारत के व्यापार समीकरणों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना अधिक रहती है। हालांकि, रिपोर्ट ने आगाह किया कि कमोडिटी कीमतों, खासकर क्रूड में उतार-चढ़ाव, और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में जारी गतिरोध के चलते निर्यात कमजोर रहने का खतरा सीएडी के अनुमानों पर दबाव डाल सकता है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की उम्मीद इसमें में यह भी बताया गया है कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता अंतिम चरण में है और इसके नवंबर के अंत तक पूरा होने की संभावना है। समझौते के तहत टैरिफ में बड़ी कटौती हो सकती है, जो 50 प्रतिशत से घटकर 15 से 16 प्रतिशत के दायरे में आने का अनुमान है।

सोने की कमी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची

अक्तूबर में सोने की कमी भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, क्योंकि त्यौहारों और शादी-विवाह के मौसम की मांग के साथ-साथ वर्ष के शुरू में आयात में कमी के बाद रुकी हुई खरीदारी के कारण सोने का प्रवाह तेजी से बढ़ा। हालांकि नवम्बर में सोने के आयात की मात्रा में कमी आने की उम्मीद है, ऊंची कीमतों के बावजूद मजबूत निवेश मांग के कारण इसके मूल्य में वृद्धि बनी रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि त्योहारी सीजन के बाद सोने की मांग स्थिर हो जाएगी, लेकिन पिछले महीनों की तुलना में यह अधिक बनी रहेगी।

आज का वो विशेष दिन

● जब आयरन लेडी कर्णम मल्लेश्वरी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल इतिहास में '19 नवंबर' का दिन बेहद खास रहा है। साल 1995 में इसी दिन महिला वेटलिफ्टर कर्णम मल्लेश्वरी ने चीन के ग्वांगझू में हुई विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 113 किलोग्राम वजन उठाकर 'क्लीन एंड जर्क' में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। 'आयरन लेडी' कर्णम मल्लेश्वरी ने महज 20 साल की उम्र में 54 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 202.5 किलोग्राम भार उठाते हुए गोल्ड जीता। अन्य सात भार वर्गों में चीनी वेटलिफ्टर विजेता रहे थे। इससे पहले साल 1994 में इस्तांबुल में भी कर्णम मल्लेश्वरी विश्व चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम कर चुकी थीं। 1 जून 1975 को श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश) के वोसावनिपेटा गांव में जन्मीं कर्णम मल्लेश्वरी ने बहन के नक्शेकदम पर चलते हुए वेटलिफ्टिंग शुरू

की थी। पिता कॉलेज स्तर पर फुटबॉलर रहे थे। ऐसे में बेटियां भी पिता की तरह खेल में अपना करियर बनाना चाहती थीं। महज 13 साल की उम्र में कर्णम मल्लेश्वरी ने वजन उठाना शुरू कर दिया था। साल 1994 और 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम करने से चूक गईं। उन्हें सिल्वर मेडल से ही संतोष करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने सिडनी ओलंपिक की तैयारियां शुरू कर दीं।

आखिरकार, 2000 सिडनी ओलंपिक में कर्णम मल्लेश्वरी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने स्नैच में 110 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 130 किलोग्राम भार उठाया। कुल 240 भार के साथ कर्णम मल्लेश्वरी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। कर्णम मल्लेश्वरी 2002 कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को एक और पदक जिताने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन इसी बीच पिता के निधन ने उन्हें झकझोर दिया। साल 2004 में वह ग्रीस में हुए ओलंपिक गेम्स में उतरीं, लेकिन दुर्भाग्य से पदक नहीं जीत सकीं। कुछ समय बाद उन्होंने अपने करियर से संन्यास का ऐलान कर दिया। कर्णम मल्लेश्वरी को वेटलिफ्टिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए साल 1994 में 'अर्जुन पुरस्कार' से नवाजा गया, जिसके बाद साल 1999 में 'राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इसी साल उन्होंने 'पद्म श्री' भी हासिल किया। कर्णम मल्लेश्वरी ने 1997 में वेटलिफ्टर राजेश त्यागी से शादी रचाई। संन्यास के बाद उन्होंने कर्णम मल्लेश्वरी फाउंडेशन की स्थापना की, जिसने अनेक युवा वेटलिफ्टर्स को उनका सपना साकार करने का मौका दिया है।

स्नूकर विश्व कप

पाकिस्तान के असजद इकबाल ने किया बड़ा उलटफेर

● भारत के पंकज आडवाणी को 4-0 से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्नूकर विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के असजद इकबाल ने भारत के तीन बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 4-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। स्नूकर विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के असजद

इकबाल ने भारत के तीन बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 4-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। शुरू से ही बेहतरीन फॉर्म में दिखे इकबाल ने मैच के दौरान लगातार शानदार ब्रेक लगाए और आडवाणी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। इकबाल ने पहले फ्रेम में 81 का शानदार ब्रेक लगाकर बढ़त बनाई और दूसरे फ्रेम में 45 का ब्रेक जोड़कर स्कोर 2-0 कर दिया। आडवाणी, जिन्होंने प्री-क्वार्टरफाइनल में ब्रिजेश दामानी को मात दी थी, इस मुकाबले में अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। तीसरे फ्रेम में इकबाल ने 68 और 49 के ब्रेक के साथ बढ़त को और मजबूत किया और चौथे फ्रेम में भी बढ़त बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली।

युवराज संधू ने पहले राउंड में शानदार बढ़त बनाई

डिगबोई (असम), एजेंसी। पीजीटीआई रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे युवराज संधू ने अपने पसंदीदा स्थलों में से एक डिगबोई गोल्फ लिंक्स में वापसी की घोषणा की। उन्होंने शानदार सात अंडर 65 का स्कोर बनाकर 1 करोड़ रुपए इनामी इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स 2025 के पहले राउंड में दो शॉट की बढ़त बना ली। इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स (2021 और 2022) के दो बार विजेता रहे युवराज ने 67 के अपने शुरुआती राउंड में आठ बर्डी और एक बोगी का प्रदर्शन किया, उसी मैदान पर जहां उन्होंने 2021 में अपना पहला पीजीटीआई खिताब जीता था। पांच गोल्फ खिलाड़ी 67 के स्कोर के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। इनमें पूर्व चैंपियन वीर अहलावत (2019), बीस वर्षीय अंशुल कबथियाल, शिवेंद्र सिंह सिसोदिया, युवराज सिंह और बांग्लादेशी मोहम्मद सोमरत सिकदर शामिल थे। इंडियनऑयल सर्वो मास्टर्स, जो इस वर्ष अपनी ऐतिहासिक 25वीं रजत जयंती मना रहा है, भारतीय पेशेवर गोल्फ के इतिहास में एक विशेष स्थान रखता है क्योंकि यह भारतीय घरेलू सर्किट और पीजीटीआई पर सबसे लंबे समय तक चलने वाला टूर्नामेंट है। यह टूर्नामेंट पुरस्कार राशि, हर साल आने वाले मजबूत मैदान, उच्च-स्तरीय खेल परिस्थितियों और उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख पेशेवर गोल्फ आयोजन के रूप में सुस्थापित है। इंडियनऑयल ने इस वर्ष इस आयोजन की पुरस्कार राशि को अब तक के सर्वोच्च 1 करोड़ रुपए तक बढ़ाकर भारतीय पेशेवर गोल्फ के विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

रोहित शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने दिया झटका

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग के नए अपडेट में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने रोहित शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में

मैच जिताऊ शतक जड़ने के बाद मिशेल 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। कमर की चोट के कारण सीरीज से बाहर होने से पहले मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस पारी ने उन्हें अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक से आगे कर दिया है जिससे रैंकिंग में शीर्ष पर रोहित का 22 दिनों का संक्षिप्त दबदबा समाप्त हो गया। टर्नर 46 साल पहले नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाले आखिरी न्यूजीलैंडर थे, जबकि नाथन एस्टल, रॉस टेलर और केन विलियमसन जैसे अन्य गेंदबाज रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच गए हैं।

रैंकिंग पर पूछा सवाल, जिम्बाब्वे के कप्तान ने पाकिस्तान के पत्रकार को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। रावलपिंडी में पाकिस्तान, श्रीलंका और ज़िम्बाब्वे की त्रिकोणीय श्रृंखला से पहले हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने एक पत्रकार के अनपेक्षित सवाल पर शालीन लेकिन स्पष्ट जवाब देकर सबका ध्यान खींच लिया। एशियाई टी20 टीमों की रैंकिंग पर पूछे गए असंबंधित प्रश्न ने रजा को असहज करने की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्होंने बिना संयम खोए बड़ी परिपक्वता के साथ अपनी बात रखी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ और क्रिकेट प्रशंसकों ने रजा के पेशेवर रवैये की जमकर सराहना की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उठा विवादित सवाल- टूर्नामेंट के पहले मैच से एक दिन पहले जिम्बाब्वे कप्तान मीडिया के सामने थे। इसी दौरान एक पाकिस्तानी पत्रकार ने विषय से हटकर एशिया की टी20 टीमों की रैंकिंग पर उनकी राय पूछी। सवाल का उद्देश्य उन्हें किसी ऑनलाइन बहस में शामिल करना प्रतीत हो रहा था। पत्रकार ने पूछा कि एशिया की सर्वश्रेष्ठ और दूसरी सर्वश्रेष्ठ टी20 टीम कौन सी है और क्या जिम्बाब्वे इस श्रृंखला में पहली, दूसरी या तीसरी सर्वश्रेष्ठ एशियाई टीम का सामना करेगा।

सिकंदर रजा का सधी हुई शैली में जवाब- रज़ा ने पलभर भी विचलित हुए बिना बेहद सधी हुई शैली में जवाब दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनते हुए वह अपनी टीम के अलावा किसी और देश की रैंकिंग पर टिप्पणी नहीं कर सकते।

साउथ अफ्रीका को दोहरी मार

गुवाहाटी टेस्ट से बाहर होंगे साइमन हार्मर? मार्को जानसेन भी चोटिल... जानें पूरा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने भारत को कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में 30 रनों से हराया था. इस टेस्ट में बावुमा ब्रिगेड ने भारतीय टीम को जीत के लिए महज 124 रनों का टारगेट दिया था, लेकिन शुभमन ब्रिगेड ये रन भी नहीं बना सकी. नतीजतन अफ्रीकी टीम ने भारत में 15 साल बाद टेस्ट मैच जीत में हासिल की. अब साउथ अफ्रीकी टीम भारत में टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक जीत के कगार पर है. क्योंकि अब गुवाहाटी में होने वाला दूसरा टेस्ट ड्रॉ भी कप्तान टेम्बा बावुमा की टीम को सीरीज जीत दिलाने के लिए काफी होगा. हालांकि उनकी तैयारियों में कुछ खलल भी पड़े हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता टेस्ट के 'प्लेयर ऑफ द मैच' साइमन हार्मर को कंधे की समस्या है, जबकि लेफ्ट-आर्म पेसर मार्को जानसेन जैनसन भी हल्की चोट से जूझ रहे हैं. दोनों खिलाड़ियों ने मंगलवार को कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में मेडिकल टेस्ट करवाए, वही अस्पताल जहां शुभमन गिल का गर्दन का इलाज हुआ था.

मेहमान टीम ने ईडन गार्डन्स में शानदार जीत दर्ज करने के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैम्पयनिशिप (2025-27) पॉइंट टेबल में भी छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है. उसकी यह जीत भारत में 2010 के बाद उनकी पहली टेस्ट जीत रही. कोलकाता टेस्ट में बावुमा ने नाबाद 55 रनों की पारी खेली और साइमन हार्मर ने मैच में आठ विकेट हासिल किए.

वहीं उन्होंने साउथ अफ्रीका को 1-0 की बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई. नियमित कप्तान शुभमन गिल हार्मर ने पहली पारी के 4/30 के बाद दूसरी पारी में 4/21 लेकर अपना कमाल जारी रखा, जबकि केशव महाराज ने दो विकेट झटके और जानसेन जैनसन ने दोनों भारतीय ओपनरों को आउट कर भारत को प्रेशर में डाल दिया था. दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल ने भारत को संभालने की कोशिश की, सुंदर ने 31 रन बनाए लेकिन एडेन मार्करम ने उन्हें आउट किया, जबकि पटेल की तेज तर्रार 26 रन की पारी महाराज का शिकार बनकर खत्म हुई.

हर टूर्नामेंट में पदक हासिल करना संभव नहीं...

मैं हमेशा भारत का समर्थन करती हूं : मनु

नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने ढूस्स्न विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। भाकर ने कहा कि वह 'हर दिन नहीं जीत सकतीं'। हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का शामिल न होना निशानेबाज़ी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है। भाकर ने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाते रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो। इस 23 साल की पिस्टल निशानेबाज (महिलाओं को प्रेरित करके खेल जगत में उपलब्धि हासिल करना) के सोशल मीडिया हैंडल के लॉन्च पर बोल रही थी। भाकर ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन इस साल कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इस साल अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतना उनकी बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

एशियन कप क्वालिफायर:

भारतीय फुटबॉल टीम की तीसरी हार

● 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश ने भी दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम का एशियाई कप 2027 क्वालिफायर्स में लगातार खराब प्रदर्शन जारी है। पांच मैचों के बाद भी भारतीय टीम के लिए जीत का खाता नहीं खुल पाया है। टीम को तीसरी हार झेलनी पड़ी है। खास बात यह है कि फीफा रैंकिंग में 136वें स्थान पर काबिज भारतीय फुटबॉल टीम को 183वीं रैंकिंग वाली बांग्लादेश की टीम ने हरा दिया। मंगलवार 18 नवंबर को ढाका में हुए इस मैच को बांग्लादेश ने 0-1 से अपने नाम किया। एशियाई कप 2027 में जगह बनाने की दौड़ से भारतीय फुटबॉल टीम पहले ही बाहर हो चुकी है। बांग्लादेश के लिए शेख मुरसलीन ने ग्रुप सी के इस मैच के 11वें मिनट में मुकाबले का इकलौता गोल दागा और यही भारत की हार का कारण बन गया। भारत को 31वें मिनट में गोल करने का सुनहरा मौका मिला था जब बांग्लादेश के गोलकीपर मितुल मार्मा के गोल पोस्ट से दूर थे। इसके बावजूद लालियानजुआला चांगटे गोल करने से चूक गए। बॉक्स पास से दाएं पैर से लगाए गए उनके किक को हमजा चौधरी ने हेडर से रोक दिया। पहले हाफ में टच लाइन के पास दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के बीच धक्का-मुक्की हुई लेकिन रेफरी ने स्थिति को काबू में कर लिया। भारत का अभियान 14 अक्टूबर को ही गोवा के मडगांव में सिंगापुर के खिलाफ 1-2 से हार के बाद समाप्त हो गया था। यह मैच हालांकि किसी भी टीम के टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के हिसाब से महत्वहीन था, क्योंकि भारत के साथ बांग्लादेश की टीम भी 2027 के महाद्वीपीय टूर्नामेंट की दौड़ से बाहर हो गई है। भारत पांच मैचों में तीन हार और दो ड्रॉ से दो अंक लेकर चार टीमों की ग्रुप तालिका में सबसे निचले पायदान पर है।

बांग्लादेश की यह पांच मैचों में पहली जीत है और टीम पांच अंक के साथ ग्रुप तालिका में तीसरे स्थान पर है। दोनों देशों के बीच पहले चरण का मैच 25 मार्च को शिलांग में गोलरहित ड्रॉ पर छूटा था।

प्रीति ने किया बड़ा उलटफेर, ओलंपिक पदक विजेता हुआंग सियाओ वेन को हराया

विश्व मुक्केबाजी कप:

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में मंगलवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता और तीन बार की विश्व चैंपियन चीनी ताइपे की हुआंग सियाओ-वेन को प्रीति पवार (54 किग्रा) ने हराकर फाइनल में प्रवेश किया। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुए फाइनल में प्रीति ने अरुंधति चौधरी, मीनाक्षी हुड्डा, अभिनाश जामवाल, अंकुश फंगल, नुपुर श्योराण, नरेंद्र बेरवाल, और परवीन सहित आठ भारतीयों के साथ फाइनल में जगह बनाई।

हुआंग सियाओ-वेन के खिलाफ जीत के बाद प्रीति ने कहा, 'मुझे पता था कि वह विश्व चैंपियन हैं, लेकिन विश्व चैंपियन बनने के लिए आपको एक विश्व चैंपियन को हराना होगा। मुकाबले से पहले

मेरी यही सोच थी। मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।

दर्शकों ने जिस तरह मेरा समर्थन किया, उस वजह से ही जीत दर्ज कर पाई। अरुंधति ने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप के तीनों चरणों की पदक विजेता जर्मनी की लियोनी मुलर को हराया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन और स्ट्रैंड्जा पदक विजेता, अरुंधति, डेढ़ साल के अंतराल के बाद प्रतिस्पर्धा कर रही थीं।

उन्होंने शुरुआती दोनों राउंड में पूरी आक्रामकता के साथ जीत हासिल की और फाइनल में अपनी जगह पक्की की। विश्व चैंपियन मीनाक्षी (48 किग्रा) ने कोरिया की बाक चो-रोंग पर शानदार जीत दर्ज की। दो बार के विश्व मुक्केबाजी कप पदक विजेता अभिनाश (65 किग्रा) ने यूक्रेन के एल्विन अलीएव को हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। नरेंद्र (90+ किग्रा) ने भी कजाकिस्तान के दानियाल सपारबे के खिलाफ अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फाइनल में प्रवेश किया। अंकुश (80 किग्रा) ने अपनी गति और दबाव से ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन को 5:0 से हराया। नुपुर (80+ किग्रा) ने यूक्रेन की मारिया लोवचिन्स्का को हराया। परवीन (60 किग्रा) ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पोलैंड की विश्व मुक्केबाजी कप रजत पदक विजेता रयगेल्स्का अनेटा एल्जबिएटा को 3:2 के कड़े मुकाबले में हराया।

स्वीटी बूरा (75 किग्रा) ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीनट्री से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, जबकि नवीन का सफर भी कांस्य पदक के साथ समाप्त हुआ। चौथे दिन नौ भारतीय खिलाड़ी मैदान में उतरेंगे, जिनमें दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन (51 किग्रा) का मुकाबला उज्बेकिस्तान की गुलसेवर गनीवा से और मौजूदा विश्व चैंपियन जैस्मीन लैम्बोरिया (57 किग्रा) का मुकाबला कजाकिस्तान की उल्जान सरसेनबेक से होगा।

मैं दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना नहीं चाहती थी

दुलकर सलमान की पीरियड ड्रामा फिल्म 'कांथा' को दर्शकों की ओर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में 14 नवंबर को रिलीज किया गया। इस फिल्म में तमाम कलाकारों के बीच अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उन्होंने अपने किरदार 'कुमारी' के जरिए समीक्षकों की भी तारीफ हासिल की। भाग्यश्री बोरसे ने बातचीत में बताया कि उनके लिए कुमारी का किरदार निभाना चुनौतीपूर्ण था। फिल्म में एक सीन ऐसा था जिसमें उन्हें अपने को-स्टार दुलकर सलमान को थप्पड़ मारना था। भाग्यश्री ने कहा, ''मैं इस सीन को करने के लिए तैयार नहीं थीं। मुझे अंदर से डर लग रहा था। मैं चाहती थीं कि यह नकली लगे, क्योंकि मैंने कभी किसी को मजाक में भी नहीं मारा। ऐसे में मैं सोच रही थी कि मैं ये सीन कैसे कर पाऊंगी। वहीं दुलकर चाहते थे कि उनके चेहरे पर असली भाव आए और इसी वजह से मैंने इस सीन को आखिर में करने का फैसला लिया।'' भाग्यश्री ने कहा, ''यह सीन करना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन दुलकर सलमान के कारण यह चुनौती मैंने स्वीकार की और इस सीन को पूरा किया। यह सीन फिल्म में प्रभावशाली लग रहा है।'' फिल्म 'कांथा' का निर्देशन सेल्वमणि सेल्वराज ने किया है और यह 1950 के दशक के मद्रास की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह एक अभिनेता और एक निर्देशक के बीच के तनावपूर्ण रिश्ते को दिखाती है। फिल्म की कहानी को दो हिस्सों में बांटा गया है। पहले हाफ में किरदारों के बीच के टकराव को दिखाया जाता है, जबकि दूसरा हाफ एक मर्डर मिस्ट्री है जो दर्शकों को सस्पेंस में रखती है। फिल्म में दुलकर सलमान, समुथिरकानी, भाग्यश्री बोरसे और राणा दग्गुबाती प्रमुख भूमिकाओं में हैं। राणा दग्गुबाती ने एक जांचकर्ता का किरदार निभाया है और समुथिराकानी ने भी एक अहम सपोर्टिंग रोल किया है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 4.35 करोड़ रुपए के साथ शानदार शुरुआत की और इसका राज बॉक्स ऑफिस पर जारी है।

जयदीप अहलावत ने आखिर क्यों की द फैमिली मैन सीजन 3 के लिए हां?

लेखक और निर्माता-निर्देशक राज निदिमोरु और कृष्णा डी.के. यानी राज एंड डीके की लोकप्रिय सीरीज 'द फैमिली मैन' हमेशा से दर्शकों की पसंदीदा रही है। अब इसके तीसरे सीजन ने दर्शकों की उम्मीदों को पहले से ही बढ़ा दिया है। कहानी, किरदारों की गहराई और सीरीज का बड़ा पैमाना इसे एक खास प्रोजेक्ट बनाता है। ऐसे में अभिनेता जयदीप अहलावत जैसे दमदार कलाकार का शामिल होना दर्शकों की उत्सुकता को और भी बढ़ा रहा है। इस कड़ी में अभिनेता ने सीरीज में अपने सफर को लेकर खुलकर बात की, साथ ही अपने किरदार रुक्मा के बारे में बताया। जयदीप अहलावत ने बताया, ''इस प्रोजेक्ट से जुड़ना एक फोन कॉल के साथ शुरू हुआ। एक दिन अचानक डीके का फोन आया और उन्होंने कहा कि वे तीसरे सीजन को पिछले दोनों सीजन से बड़ा, दमदार और अलग बनाना चाहते हैं। इसी बातचीत के दौरान उन्होंने मेरे साथ कहानी का बेसिक स्ट्रक्चर भी साझा किया, जिसे सुनकर मैं तुरंत इस दुनिया की ओर खिंचता चला गया। मुझे लगा कि यह कहानी नई होने के साथ-साथ मुझे एक ऐसा किरदार निभाने का मौका देगी, जो अब तक मैंने नहीं किया है।'' कहानी की शुरुआती झलक सुनते ही जयदीप ने इसमें काम करने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, ''राज और डीके जैसी प्रतिभाशाली क्रिएटर जोड़ी और मनोज बाजपेयी जैसा कलाकार सामने हो, तो किसी भी एक्टर के लिए 'हां' कहना बेहद आसान हो जाता है। 'द फैमिली मैन' जैसे सफल शो का हिस्सा बनना अपने-आप में एक बड़ी बात है और इस मौके को पकड़ने में मैंने जरा भी देर नहीं की। अपने किरदार रुक्मा को लेकर जयदीप ने कहा, ''जब मैंने किरदार पढ़ना शुरू किया, तो मुझे अंदाजा भी नहीं था कि यह किरदार किस दिशा में जाएगा। स्क्रिप्ट को पढ़ते हुए मेरे मन में एक अलग छवि बन रही थी, लेकिन राज और डीके के दिमाग में रुक्मा के लिए एक बेहद स्पष्ट और खास विजन था। जैसे-जैसे उन्होंने शूटिंग शुरू की, रुक्मा धीरे-धीरे एक ऐसे रूप में ढलता गया जिसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। इस किरदार की खासियत यह है कि वह किसी भी चीज की परवाह नहीं करता। उसका अलग-थलग रहना उसे कठोर दिखा सकता है, पर असल में उसके भीतर एक अलग तरह की गहराई छिपी है। जयदीप ने बताया कि मनोज बाजपेयी का किरदार श्रीकांत तिवारी, एक ऐसा किरदार है जिसे दर्शक आसानी से स्वीकार कर लेंगे। वह अपने परिवार से जुड़ा भी है और एक जासूस की जिम्मेदारियों को संभालते हुए परिवार को बचाने की कोशिश भी करता है, लेकिन रुक्मा इसके बिल्कुल उलट है।

कर्म पर करें पूरा फोकस, परिणाम पर नहीं, भगवदगीता के कोट्स शेयर कर रवीना टंडन ने किया फैंस को मोटिवेट

90 के दशक की एक्ट्रेस रवीना टंडन आज भी फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक छाई हुई हैं। एक्ट्रेस जल्द ही अक्षय कुमार के साथ 'वेलकम टू द जंगल' में दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच रवीना ने सिंपल और अच्छी लाइफ जीने के लिए भगवद गीता के कुछ अनमोल वचन शेयर किए हैं। अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपना इंस्टाग्राम अपडेट किया है और भगवद गीता के अच्छे वचनों को शेयर किया है। पोस्ट में लिखा है, 'अपने कर्म पर पूरा फोकस करें, ये जाने बिना कि आगे इसका परिणाम क्या होगा। कर्म पर फोकस करें न कि उसके रिजल्ट पर।' दूसरे पोस्ट में लिखा,' 'जीत होने पर ज्यादा खुशी जाहिर न करें और अपनी हार पर ज्यादा दुखी न हों, जिंदगी को संतुलन के साथ चलाएं।' एक अन्य पोस्ट पर लिखा है, 'ईमानदारी और दयालुता ही इंसान की असली ताकत होती है, हमेशा वहीं चुनें जो सही है, न कि सरल।' फैंस को भी एक्ट्रेस के ये विचार काफी पसंद आ रहे हैं। रवीना टंडन एक्ट्रेस होने के समाज सेविका भी हैं। वे अक्सर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए पशु-पक्षियों पर दया दिखाने की अपील फैंस से करती हैं। दिल्ली में सभी आवारा कुत्तों को शेल्टर में बंद करने के आदेश पर एक्ट्रेस ने अपनी भड़ास निकाली थी और फैसले को असंवेदनशील बताया था। उन्होंने कहा था कि कुत्तों को शेल्टर होम में बंद कर देना कोई स्थाई समाधान नहीं है। इसके बदले आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण करने के बाद उन्हें छोड़ देना चाहिए। रवीना टंडन को इसी महीने टेलीविजन सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में निगेटिव भूमिका के लिए दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव पुरस्कार से नवाजा गया। इससे पहले उन्हें साल 2022 में भी 'अरण्यक' वेबसीरीज के लिए भी दादा साहब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। उन्होंने सीरीज में कस्तूरी डोगरा के किरदार के लिए ये अवॉर्ड जीता था। उन्होंने अपने करियर में तमाम अवॉर्ड जीते हैं इतना ही नहीं। उनकी बेटी राशा टंडन भी फिल्मों में कदम रख चुकी हैं।

मल्टी टैलेंट का फुल पैकेज

बॉलीवुड में सक्सेस के बाद अब शेफ बनना चाहती है तारा सुतारिया

हिंदी सिनेमा में बहुत कम ही ऐसी अभिनेत्रियां हैं जो मल्टी टैलेंट के साथ पर्दे पर खुद को निखार पाती हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी उनमें से एक हैं। वे न सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि डांस, सिंगिंग, खाना बनाने और स्कैचिंग में भी आगे रहती हैं। एक्ट्रेस तारा सुतारिया बुधवार को अपना 30वां जन्मदिन मनाया। ऐसे में जानते हैं कि तारा अगर अभिनेत्री न बनती तो आगे जाकर क्या बनतीं। तारा सुतारिया 7 साल की उम्र से ही सिंगिंग में रुचि रखती थीं और कई अंतरराष्ट्रीय ओपेरा और कॉम्पीटिशन का हिस्सा रह चुकी हैं। उन्होंने फिल्म 'गुजारिश' और एक विलेन में 'शामत' गाने में अपनी आवाज दी है। अमेरिकी गायिका व्हिटनी ह्यूस्टन से प्रेरित होकर उन्होंने बॉलीवुड में सिंगिंग करने का फैसला किया। एक्टिंग में करियर बनाने के लिए भी तारा ने छोटी उम्र से ही शुरुआत कर दी थी। उन्होंने अमेरिकी सिटकॉम 'द सूट लाइफ ऑफ जैक एंड कोडी' के हिंदी वर्जन 'द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर' (2012) से बाल कलाकार के तौर पर करियर की शुरुआत की थी, जिसके बाद वे 2013 में आए टीवी शो 'ओए जस्सी' में दिखीं।

टीवी पर किस्मत आजमाने के बाद तारा ने बड़े पर्दे पर कदम रखा और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बतौर एक्ट्रेस एंट्री ली, जिसके बाद वे साल 2019 की 'मरजावां', साल 2021 की 'तड़प', साल 2022 में आई 'हीरोपंती 2' और 'एक था विलेन रिटर्न्स' में दिखीं। उन्हें आखिरी बार ओटीटी रिलीज फिल्म 'अपूर्वा' में देखा गया। हालांकि बॉलीवुड में सक्सेस पाने के बाद भी तारा हमेशा से एक शेफ बनना चाहती हैं। तारा सुतारिया 13 साल की उम्र में रियलिटी टैलेंट शो 'बिग बड़ा बूम' का हिस्सा भी थीं। शो में वे बम्पी नाम की कठपुतली के साथ फैंस को इंटरटेन करती थीं। इसी स्टेज शो पर तारा ने अपने सिंगिंग टैलेंट से सबको हैरान कर दिया था।

उर्वशी रौतेला ग्लोबल सुपरस्टार ने जीता 'ग्लोबल फ़ैशन आइकॉन 2025' का खिताब

उर्वशी रौतेला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह सच में अपनी अलग ही लीग में खड़ी हैं। ग्राज़िया मिंत्रा ग्लैमी अवॉर्ड्स 2025 में इस ग्लोबल सुपरस्टार ने सिर्फ़ रेड कार्पेट पर चहलकदमी नहीं की – उन्होंने पूरे शाम को अपने नाम कर लिया। प्रतिष्ठित ग्लोबल फ़ैशन आइकॉन 2025 खिताब जीतकर उर्वशी ने लक्ज़री, एलीगेंस और इंटरनेशनल ग्लैमर की परिभाषा ही बदल दी। सबसे ज़्यादा चौंकाने वाली बात थी उनका बेहतरीन आउटफ़िट – ?7 करोड़ की कीमत वाली वह अद्भुत ड्रेस जिसे सच्चे सोने और हाथ से जड़े डायमंड्स से बनाया गया था। बेलारूस की मशहूर कुट्योर डिज़ाइनर डाशा द्वारा डिज़ाइन की गई यह क्रिएशन फैशन से कहीं आगे थी – यह पहनने योग्य कला थी। इसका हर इंच ऐसी चमक बिखेर रहा था कि नज़रें हटाना नामुमकिन था। जैसे ही उर्वशी रेड कार्पेट पर उतरीं, माहौल बदल गया। कैमरे थम गए, फुसफुसाहटें बढ़ गईं, और अनुभवी फैशन क्रिटिक्स भी कुछ पलों के लिए निःशब्द रह गए। यह सिर्फ़ एक सेलिब्रिटी अपीयरेंस नहीं थी – यह एक सांस्कृतिक क्षण था, एक याद दिलाने वाला पल कि फ़ैशन भी भावनाएं, कहानी और पावर बन सकता है। उनका आत्मविश्वास चुंबकीय था, और उनकी मौजूदगी बिजली की तरह असरदार। लेकिन इतना भव्य आउटफ़िट पहनकर भी जिस गरिमा के साथ उन्होंने खुद को प्रस्तुत किया – वही इस पल को सच में मानवीय बनाता है। सोने और हीरों ने उन्हें ओझल नहीं किया, बल्कि जैसे उनकी उपलब्धियों, उनके संघर्षों और उनकी अंतरराष्ट्रीय उड़ान का जश्न मना रहे हों।

दीपिका पादुकोण को अपने फैसलों पर होता है पछतावा! अब फिल्म चुनते वक्त इन बातों का रखती हैं ध्यान

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बताया है कि वह फिल्मों को किस तरह से चुनती हैं। वह शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' में एक सहायक भूमिका में होंगी। दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'ओम शांति ओम' से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 ए.डी.' में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है। हार्पर्स बाजार इंडिया के साथ बातचीत में दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया 'सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी।'

फैसलों पर विचार करती हैं दीपिका

दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा 'क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं।

फिल्म 'धुरंधर' में आर माधवन ने अपने लुक को लेकर किया बड़ा खुलासा

मंगलवार को फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर रिलीज हुआ। इस ट्रेलर रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेता आर माधवन ने मूवी में अपने किरदार को लेकर बात की। आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर' का ट्रेलर आखिरकार आज मंगलवार को रिलीज हो गया। इस ट्रेलर रिलीज इवेंट के दौरान अभिनेता आर माधवन ने अपने किरदार के लुक के बारे में बताया। पढ़िए उन्होंने क्या कहा। फिल्म 'धुरंधर' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के मौके पर आर माधवन ने अपने लुक पर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं इस किरदार के लिए लुक टेस्ट कर रहा था, हमें सब कुछ सही करने में लगभग तीन से चार घंटे लगे। जब मैं अपने आपको देख रहा था, लग रहा था कि एक चीज मिसिंग है। तभी आदित्य धर आके बोलते हैं कि मैडी, अपने होंठ पतले करो तो पूरी फिल्म मैंने होंठ पतले करके ही किया है।'

'यह एक ऐतिहासिक फिल्म होने वाली है'

आर माधवन ने आगे बातचीत में फिल्म को लेकर बताया कि जब आदित्य धर उनसे मिलने आए, तो वो उनकी रिसर्च और बातें सुनकर दंग रह गए थे। उन्होंने कहा- 'मेरा सौभाग्य ये रहा है कि मैं कई ऐतिहासिक फिल्मों का हिस्सा रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि सबसे ऐतिहासिक ये फिल्म होने वाली है। यह फिल्म जब रिलीज होगी, तो इंडियन सिनेमा में एक जॉनर की फिल्में बनना बंद हो जाएंगी।'

रणवीर सिंह ने की

'धुरंधर' की हीरोइन सारा अर्जुन की जमकर तारीफ

चालीस साल के हो चुके रणवीर सिंह अपनी आगामी फिल्म 'धुरंधर' में अपने से 20 साल छोटी अभिनेत्री सारा अर्जुन के साथ रोमांस करने को तैयार हैं। जब फिल्म की घोषणा हुई थी तो हर कोई इस बात पर काफी हैरान था। हालांकि, अब फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद, लोगों को दोनों की केमिस्ट्री पसंद आ रही है। खुद रणवीर सिंह ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट में सारा अर्जुन की जमकर तारीफ की है। धुरंधर के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में रणवीर सिंह ने सारा अर्जुन को संबोधित करते हुए कहा कि सारा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि हम यहां इस मंच पर हैं। आपके लिए कितना खास पल है। मैं इसका हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, मैं आपके लिए ऐसे खास पल का हिस्सा बनकर भाग्यशाली हूं। सारा एक टेलेंटेड इंसान है। कुछ लोग होते हैं जिनके बारे में बचपन से ही पता होता है कि वो कितने प्रतिभाशाली हैं। जैसे एक बार डकोटा फैनिंग आई थी हॉलीवुड में। सारा, मुझे लगता है कि आपने यहां तक पहुंचने के लिए कई लोगों को पीछा छोड़ा है। यह आपकी प्रतिभा का प्रमाण है। ऐसा लगता है कि ये 50 फिल्म करके आई हैं। वह एक व्यक्ति के रूप में, एक कलाकार के रूप में बहुत ही असाधारण हैं। जाहिर है कि सारा अर्जुन 'धुरंधर' में पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी।